Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

चीन बंगाल का जादू

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

भूमिका

जादू-टोनों का रिवाज आज से तीन हजार वर्ष पूर्व हुआ। जादू ईश्वर से मिली हुई एक शक्ति का नाम है और जिस व्यक्ति के पास यह शक्ति होती थी, उसे ईश्वर का स्वरूप माना जाता था।

बहुत से लोगों का विचार है कि तन्त्र-मत्र जादू-टोना अक्सर किसी भी दुश्मन के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हम यहाँ यह बात बता देना अत्यन्त आवश्यक समझते हैं कि कोई चीज वास्तव में बुरी नहीं होती बल्कि उसका बुरा प्रयोग उसे खराब कर देता है किसी भी विद्या को यदि भलाई के लिए प्रयोग किया जाय तो उससे लाभ होता है अगर बुरे ढंग से इस्तेमाल किया जाय तो उसका प्रभाव नष्ट हो जाता हैं हम यहाँ पाठकों को सूचित करना चाहते हैं कि इस पुस्तक में दिए गए जादू-टोनों/तन्त्रों व मन्त्रों की सिद्धि कार्यकर्ता पर निर्भर है। इस पुस्तक में दिए गये तन्त्रों-मन्त्रों की क्रिया किसी तान्त्रिकाचार्य से आज्ञा प्राप्त करके ही करनी चाहिए। पूरी क्रिया जाने बिना या अज्ञानता वश करने से यदि किसी को हानि पहुंची तो उसके लिए संग्रह कर्ता व प्रकाशक किसी भी तरह उत्तरदायी नहीं होंगे।

—प्रकाशक

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

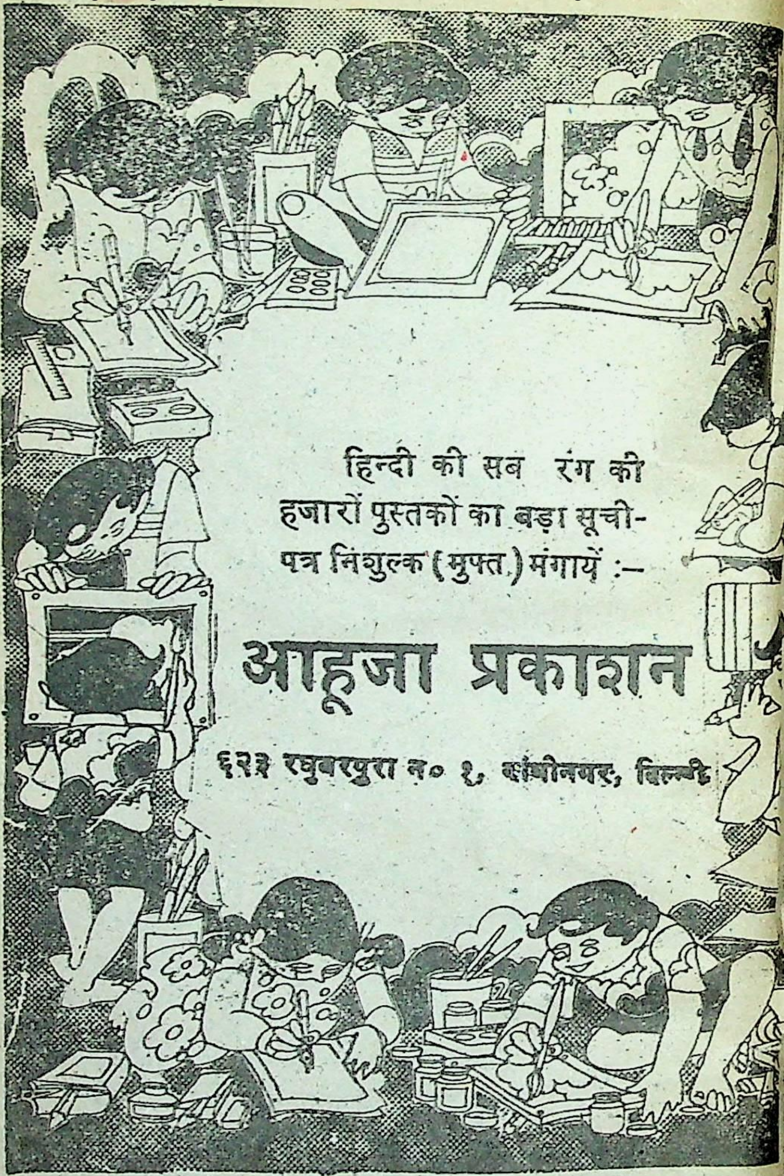

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

❀ भूत प्रेत नाशक यन्त्र ❀

7	6	78	4
2	3	73	5
3	76	8	74
8	75	1	77

इस यन्त्र को भोजपत्र पर गोरोचन से लिखकर बालक के गले में बांधे तो प्रेत का भय न हो।

❀ भूत उतारने की रीति ❀

भूत के प्रकोप से जिस मनुष्य की मृत्यु होने वाली हो वह दिगम्बर दीनानाथ योगेन्द्र योग बल्लभ। गंगा, सीकर सशक्ति जस मंडल मणि तम। इस मन्त्र के वास्ते १२२ बार जप कर सिद्ध करे। इसका झाड़ देने से भूत का कोप उतर जाएगा।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

❀ भूत-प्रेत नाशक यन्त्र ❀

6	3	84	83
80	87	2	7
4	5	60	63
86	81	8	1

इस यन्त्र को असगन्ध से भोजपत्र पर लिखकर धूप देकर रखे तो भूत-प्रेत का भय न हो तथा घर में भी न आवे।

❀ भूत करने का मन्त्र ❀

गिलोय के रस में घुंमची विष चिता के बच्चो के रोम इसकें चूर्ण को महीन पीसकर यत्न-पूर्वक इस चूर्ण को देने से भूत उसे पकड़ लेता हैं।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पानी का दूध बनाना

आप बिना बुझा चुना लेकर उसे किसी कांच के प्याले में धर दें और ऊपर से उसके ऊपर पानी गेर दें जब पानी उबल कर ठंडा हो जाए तो उसे किसी बोतल में भर लें। फिर जब खेल दिखाना हो तो दर्शकों से कहिए कि इस बोतल के अन्दर पानी भरा है। सब दर्शक देखेंगे की वास्तव में पानी भरा है। फिर कहिए कि मैं इसे जादू के जोर से दूध बना दूँगा और झुटी-मुटी मन्त्र पढ़ कर उस बोतल को धीरे-२ हिलाने लगो। थोड़ी देर में बोतल में पानी की जगह दूध भरा होगा। ध्यान रहे इस दूध को किसी को पिलाओ नहीं।

बोतल के टुकड़े चबाना

इस बात को प्रत्येक पुरुष जानता है कि शीशा चबाया नहीं जा सकता और यदि चबाने की चेष्टा की जावे तो मुख में से लहू बहना आरम्भ हो जाता है। परन्तु हम इस स्थान पर आपको एक ऐसी विधि बतलाते हैं कि किस प्रकार के एक पुरुष बोतल के टुकड़ों को चबा लेता है और देखने वालों को अति चकित कर देता है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बोतल के टुकड़ों को लेकर आग में डालें जिस समय अच्छी प्रकार गरम हो जावे उस समय इनको अदरक के रस में बुझाओ इसके पीछे यदि इन टुकड़ों को चाब लिया जावे तो मुख को किसी प्रकार का कोई दुःख नहीं होता।

अक्षर उड़ जावें

नौसादर व सुहागा और सिन्दूर इन तीनों वस्तुओं को बराबर लेकर आपस में मिलावें, जिस समय यह मिलकर एक जान हो जावें उस समय एक कागज को धूप में बिछाकर ऊपर सफूफ डाल देवें। कुछ समय के अनन्तर अक्षर उड़ जावेंगे और कागज सफेद हो जावेगा।

अण्डा हवा में उड़

अण्डे का पानी निकाल दो और उसमें ओस भर कर धूप में रख दो कुछ समय के पश्चात् अण्डा हवा में उड़ जावेगा और जब तक इसका मुँह न खुलेगा हरगिज नीचे न आवेगा। यदि नीचे लाना हो तो इसको किसी विधि से किसी रस्सी से बाँध देवे। जिससे डोर खिचने पर अण्डा नीचे आ जावे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

फूल मोहनी मन्त्र

ॐ नमो कामरू कामाख्या देवी जहाँ बसे इस्मा-इल योगी २ ने लगाई फुलवारी फूललो ड़ेलोंना चमारी एक फूल हंसे दूजे फूल मुस्कराये तीजे फूल को बास बह चल आवे हमारे पास दुश्मन जाय लिया फटै मेरी भक्ति गुरू शक्ति फुरो मन्त्र ईश्वरोवाचा ।

रविवार से लगातार ११ दिन तक धूप दीप नैवेद्य लौंग पान फूल धन के सुगन्ध पुष्प को घृत में मिलाकर नित्य प्रति १०८ बार हवन करे फिर सुगंध पुष्प को सात मन्त्र पढ़ सुंघावे तो मोहित हो चला आवे ।

मिठाई मोहन

ॐ नमो कामाख्या देवी का आदेश जलमोहू थल मोहूँ जंगल की हिरणी मोहूँ पलंग बैठे रानी मोहूँ मोहनी मेरा नाम मोहूँ जगत संसार तारा तरीला तोतला तीनों बसे कपाल सिर चढ़े मातु के दुश्मन पामाल करूं गात के मोहनी देवी की दुहाई फिरे ।

शनिवार से प्रारम्भ कर २१ दिन तक लगातार १४४१ मन्त्र पढ़कर गुग्गुल हवन करे फिर मिठाई पर २१ बार मन्त्र पढ़कर जिसे खिलावे मोहित हो जाएगा ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

अपने शत्रु को बिच्छू बनाना

अगर आप अपने शत्रु को बिच्छू बनाना चाहते हैं तो आप एक बिच्छू मारकर उसके मुंह में कपास के बीज बो दें और उस बिच्छू को जमीन में गाढ़ दें फिर जब कपास का पौधा फूट आए और उसमें दोबारा से कपास के बीज आ जाएं तो आप उन बीजों को तोड़कर किसी प्रकार अपने शत्रु को खिला दें तो आपका शत्रु पहले तो बिच्छू की तरह चलेगा और फिर वह बिल्कुल बिच्छू बन जाएगा।

आग के अन्दर हाथ न जले

जब आपको इस प्रकार का खेल दिखाना हो तो खेल करने से पहले एक लुगदी तैयार कीजिए। पारा आधा भाग, कपूर आधा भाग, आर्सेनिक दो भाग तीनों को लेकर एक साथ पीस लें लुगदी तैयार हो जाएगी। फिर उस लुगदी को हाथ पर मल के दर्शकों से कहिए कि देखिए साहेबान मेरे हाथ पर कुछ नहीं लगा हुआ। अब मैं अपनी जादूई शक्ति से अपना हाथ इस आग पर रखूंगा लेकिन हाथ नहीं जलेगा और अपना हाथ आग पर रख दो आपका

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

खेल देखकर दंग रह जाएंगे और खुशी से तालियां पीटने लगेंगे ।

सर्व ग्राम्य मोहन मन्त्र

ॐ यती हनुमन्त यह जाय मरे घट पिंडका कौन है और छत्ती मय बन पड़ जेहि दस मोहूं जेहि दश मोहूं गुरु की शक्ति मेरी भक्ति फुरो मन्त्र ईश्वरोवाच ।

प्रथम शनिवार तक प्रति दिन १४४ बार मन्त्र जप करे तथा हनुमान जी का पूजन करके सिद्ध करके फिर चौरास्ते से सात कंकरी लेकर १४४ बार मन्त्र पढ़ के ग्राम्य के मुख्य कूप में डाले तो जो कोई उस कूप के जल को पीवे वह मोहित होय ।

अन्य तेल मन्त्र—तेलसे यह तेल राजा प्रजा पाऊ मेल पोखरी पानी मलको आलगाय योनिमेरे पायमेरे हाथ खड्ग विराजे गजे फूलों की माला जानि विज नै गोरख जानै मेरी गति को कहे कोय हाथ पछानों मुख पोऊं सुमिरो निरंजन कर देव हनुमंत यती हमारी पति राखे मोहनी दहानों दोनों बहिनी आशा मोहूँ पास मोहूं सब संसार मोहूँ निखरू बन्दी देह ललाट शब्द साचो फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दीपमालिका की रात्रि में ऊलटी घानी श्वेत तिल का तेल निकलवा कर इक्कीस बार मन्त्र पढ़ उस तेल की बिन्दी लगावे तो सब जीव मोहित होय।

खूनी बवासीर की गोलियाँ

जिस वस्तु को लोग रद्दी समझ कर फेंक देते हैं। जानने वाले लोग उन्हीं से लाभ उठाते हैं और वह लाभ जो मूल्यवान औषधियों से भी प्राप्त होना सम्भव नहीं होता। इस प्रकार के एक योग का वर्णन किया जाता है, जो कि खूनी बवासीर के लिये अत्युत्तम है।

प्रयोग—इमली की छाल को पानी में घिस कर चने के बराबर गोलियाँ बना लें और प्रतिदिन तीन गोलियां पानी से खिलाया करें।

खुश्क खाँसी की स्वादिष्ट दवा

एक तोला अलसी को पाव भर पानी शेष रहे तो छान कर दो तोला मिश्री मिला कर ऊष्ण को घूंट २ करके पी लें। इसके कुछ बार के सेवन से

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

वह खुश्क खांसी जो सर्दी लगने के कारण से हुई हो दूर हो जावेगी ।

चेचक के फोले का विशेष प्रयोग

हाथी का नाखून (नख) का एक टुकड़ा लेकर सात दिवस पर्यन्त सिरस के रस में भिगो रक्खो, परन्तु प्रतिदिन रस नया बदल लेना उचित है । तत्पश्चात एक दिन कूप जल में भिगो रक्खे और प्रतिदिन कुछ बूंदें पानी को पत्थर पर डाल कर घिसें और सलाई से नेत्रों में लगाया करें ।

लाहौरी फोड़े की दवा

अमलासार गन्धक को मिट्टी के तेल में मिलाकर खूब खरल करें पतली सी मरहम तैयार हो जावेगी । किसी चौड़े मुंह की शीशी में सुरक्षित रक्खो और फोड़े पर रुई का फोया तर करके लगाओ । कई दिन के लगाने से निश्चय ही लाभ हो जावेगा ।

पारे का कटोरा बनाना

पाव भर पारा लेकर उसमें आधा सेर चूना

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

डालकर दोनों के साथ मोम मिलाकर मन्दी आग पर पकालो। फिर उस द्रव को सांचे में ढाल कर रख दो तो पारे का कटोरा तैयार हो जाएगा।

कान की पीड़ा

आप को कान की पीड़ा की बीमारी में रोगी की पीठ पर खड़े होना चाहिए। फिर इसके बाद अपने दोनों हाथों की अंगूलियाँ रोगी के कानों में देनी चाहिए। फिर बाद में सीधी अंगुली करके कानों में से निकालनी चाहिए और ३ या ४ बार कान को फूंके। रोगी से कहे कि एक लम्बा सांस खींचे।

अकसीर संग्रहणी

कुडा छाल चार तोला लेकर सूक्ष्म चूर्ण बनालें। फिर इस चूर्ण की समभाग सात पुड़िया बनावें और प्रतिदिन एक पुड़िया दही के साथ खिलाया करें। यथा सम्भव भूख सहन करे, हां दही जितना चाहे पिलाते रहें या दही न मिले तो छाछ ही पिलाते रहें यदि भूख अधिक सताये तो दही चावल खिलावें। एक सप्ताह में शर्तिया लाभ हो जायेगा।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बिड़ाल सिद्धि

श्रावण मास में एक समय फलहार कर श्मशान में सात दिवस पर्यन्त धूप, दीप नैवेद्य रस्य कुसुम प्रभृति उपचार द्वारा कंकटा देवी की अर्चना करें और देवी विकटयना, ब्रह्मधारणी भयंकरामार्जार वाहिनी रूप का ध्यान करते हुए ओं ह्रीं कङ्किटाय स्वाहा यह मन्त्र तीस सहस्त्र जप करने से वह सहज में ही बिल्ली का स्वर समझने में समर्थ होता है। भूत, भविष्यत् वर्तमान आंखों के सम्मुख प्रतीत होता है।

स्त्री को रक्त बहे तो रुके

खटमल के निचले भाग को नारी को खिलावे रूधिर जारी होय और ऊपर का भाग खाय रूधिर रुक जाय।

गज सिद्ध

मन स्थिर कर हस्ती को स्मरण करते हुए यथा नियम से क्री मन्त्र आठ हजार बार जपकर दशांश हवन करने से हाथी का शब्द अनायास मालूम होता है और गज कृपा से सर्वत्र जय एवं सर्वज्ञता लाभ होती है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

सिंह रूप धारण

बाघ या सिंह की खोपड़ी इतवार को लाकर एकांत वन में रूई बोवे फिर रविवार के दिन रूई के बीज लाकर गले में बांधे तो सिंह सा मालूम होय बत्ती जलावे तो सब सिंह दीखे।

नटी साधन

नदी तीर में जाकर एक सप्ताह पर्यन्त दस हजार बार ऊँ हुं ड़े फट् फट नटीं हु हुँ हु। विधि-पूर्वक जप करे और ध्यान करें। उपरान्त हवनादि करे तो नटी सन्तुष्ट होकर साधक पत्नी होवे और प्रतिदिन एक तोला स्वर्ण प्रदान करती है।

साधक अशोक वृक्ष पर बैठे ऊँ ऐ क्लीं श्री धन कुरु कुरु स्वाहा। यंह मन्त्र एकाग्रचित से दस हजार बार जाप करने से यक्षिणी सिद्ध होती है। और साधक को बहुत ही अर्थ लाभ होता है।

आम वृक्ष पर बैठे ॐ ह्रीं ह्रीं पुत्र कुरु कुरु स्वाहा यह मन्त्र एक से दस हजार बार जप करने से पुत्र ही लाभ करे।

बरगद वृक्ष पर बैठे एकान्त मन में ॐ ऐं ह्रीं

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

क्लीं महा लक्ष्म्यै नमः यह मन्त्र १०००० जपने से यक्षिणी महा लक्ष्मी रूप में सिद्ध होकर साधक के गृह स्थिर भाव में चिर निवास करती है।

ताश का एक खेल

आप दर्शक के सामने ताश की गडडी रख दीजिए वह उस में से एक पत्ता निकाल कर देख ले फिर आप उसको ताश की गड्डी में रखवा दीजिए। इसके पश्चात लच्छेदार बातें करते हुए आप उसको पत्ता बता सकते हैं इस प्रकार का खेल दिखाने के लिए खास प्रकार के बने हुए गंजफे की आवश्यकता होती है आपने देखा होगा कि बहुत से गंजफे ऐसे होते हैं जिनकी पीठ पर हाथी घोड़े स्त्री आदि के चित्र बने हुए होते हैं गंजफा खूब फटा हुआ हो परन्तु पीठ के चित्र एक ही रुख के हों जब दर्शक देखकर गड्डी में वापस रखें तो हाथ की सफाई से गड्डी का रुख बदल दो। बस दर्शक वाला पत्ता उलट रुख का होगा जिसे आप पत्ते फेंटते समय ऊपर से ही पहचान सकते हैं। और सुगमता से दर्शकों को चकित कर सकते हैं।

इस प्रकार का खेल करने के लिए ताश को

२

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh.

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दूसरी तरह से भी बराते हैं। अर्थात ताश के पत्तों का एक कोना जरा सा काट देते हैं। जिस समय दर्शक पत्ता देखने के लिए खींचता है उस समय गड्डी के कटे हुए किनारों का रुख एक तरफ होता है परन्तु बाद को वह बदल जाता है जिससे फौरन ही पहचान हो जाती है।

कुत्ता रूप धारण

कुत्ते के मुंह में मुसनका बीज बोयकर उपजी हुई सन को गले में बांधे तो कूकर रूप दिखाई देवे।

बन्दर रूप धारण

बन्दर की खोपड़ी के मुख में घूँघची बोये और उस घूँघची की माला कोग ले में डाले तो बन्दर सा दिखाई पड़े।

व्यापार बढ़ाने की तरकीब

आप पीपल के सात पत्ते अलग अलग सात पेड़ों से लेकर नदी के किनारे दस गज की दूरी पर गाड़ दो दस दिन के बाद इन पत्तों को निकालकर उन सात पीपल के पेड़ों में से किसी एक के नीचे इन पत्तों को एक के ऊपर एक रख कर इन पर लौंग और कपूर रखकर जला लो। फिर जो राख बने

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

उसे अपनी दूकान या फिर जहाँ आपका व्यापार हो वहाँ रखे और उससे रोज सुबह अपने तिलक करे। आप का व्यापार एक हफ्ते में बढ़ता नजर आएगा।

चुटकले

बारह सिंगे का सींग लटकाना सर्प आदि विषैले जानवरों को काटने से रोकता है। बारह सिंगे का सींग बकरी के खुर अकरकरा की धूनी सर्प को भगा देती है। राई सर्प नाशक है यदि राई व नौशादर को साथ पीसकर घर में डाले तो सर्प भाग जायेंगे।

आँख दुखने का मन्त्र

ओं नमो झलमल जहर नली उलाई अस्ताचल पर्वत से आई, जहां जा बैठा हनुमान जाई, फुटे न पाके करे न पीड़ा, यति हनुमन्त ठाके पाड़ा ।

विधि

नीम की डाली से सात बार झाड़े साथ ही मन्त्र पढ़ते जायें।

दूसरा

मर्द की आंख आई, पके न फूटे पीड़ा करे गुरु गोरख जी की आज्ञा करे, गुरु की शक्ति मेरी पूजा

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

करो मन्त्र ईश्वरो वाचा ।

विधि

नमक की सात कंकड़ी से हर बार मन्त्र पढ़कर चाखे तो आंख अच्छी हो।

पीलिया का मन्त्र

ओं नमो वीर बैताल असुर नाहरसिंह देव जी स्वादी तुवादी सुभाल तुभाल पीलिया को काटे भारे पीलिया रहे न नेक निशान। जो रह जाय तो हनुमान की आन।

विधि

सरसों का तेल कटोरे में लेकर रोगी के माथे पर चन्दन से सात बार मले।

हर बार मन्त्र का उच्चारण करे तथा दिन में दो बार इस प्रयोग को करे।

कुत्ते का विष उतारने का मन्त्र

ओं नमो कामरू देश कामाक्षा देवी जहांबड़े इस्तेमाल योगी, योगी ने पाली कुत्ती। दस काली दस कावरी दस पीली दस लाल। रंग बिरंगी दस खड़ी दस दस टिकावे भाल। इनका बिष हनुमान हरे रक्षा करे गुरु गोरखनाथ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

विधि

इस मन्त्र की ग्रहन रीति १००० बार जपे तेल का दीपक जलाए, मीठे का भोग करे इस प्रकार सिद्धि करके जिसके कुत्ते ने काटा हो उसके घाव के चारों ओर उपलों की राख सात बार पढ़कर लगा दे तो तीन दिन में आराम हो ।

प्याजी रंग बनाना

कुसुम का गोंद २ भाग फिटकरी १ भाग दोनों को मिलाकर वस्त्र रंगने से प्याजी रंग हो जाता है ।

खाकी रंग बनाना

आम की गुठली रात को पानी में भिगोकर सबेरे छान लें । और कपड़ा रंग दें तो खाकी रंग बन जाता है ।

किशमिशी रंग बनाना

वस्त्र को पहले नाशपाती के जल में भिगो दीजिए फिर कत्था के जल में तदन्तर ईसबगोल मिलाकर फिटकरी के जल में डुबा दो तो वस्त्र किशमिशी बन जाएगा ,

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

जामुनी रंग बनाना

पहले फिटकरी के जल में वस्त्र को भिगो देवें फिर नल के पानी में भिगोकर नाशपाती और मजीठ के रंग में बोरने से गेरुआ रंग बन जाता है ।

शरबती रंग बनाना

कुसुम रंग एक भाग हरिसिंगार का रंग २ भाग मिक्स करके वस्त्र रंग दे और ईसबगोल का लुआब देने से शरबती रंग बन जाता है ।

पक्का शरबती रंग बनाना

वस्त्र को प्रथम फीका गेरू रंग में रंगकर मुलतानी मिट्टी में रंग दो और फिर साफ पानी से धोकर फिटकरी के जल में ईसबगोल का लुआब देकर रंग दो तो पक्का शरबत्ती रंग बन जाता है ।

उन्नाबी रंग बनाना

वस्त्र को पहले पीली हरजल पांच भाग में भिगो दें फिर आक के रंग में रंग दें । फिर पन्द्रह भाग पतंग में फिर दो भाग फिटकरी के पानी में रंगो तो उन्नाबी रंग बन जाता है ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बिना खूंटी के खड़ाऊं पर चलना

सफेद घुमची को भिगोकर पीस लो और उसे भेड़ के दूध में मिला दो और खड़ाऊं पर भीगा ही पैर रक्खो खड़ाऊ पैर के साथ ही उठेगी और देखने वाले आश्चर्य करेंगे।

पति पत्नी विद्वेषण

जिनमें विद्वेष करना हो उसके चरण के तले की रजत तथा बिल्ली की विष्टा मिलाकर तथा मन्त्र से मन्त्रित कर इनकी पुतली बना लें फिर इसको नीले वस्त्र में लपेट कर जिसके घर में झगड़ा कराना हो उससे घर डाल दो उसके विद्वेषण हो जाएगा।

तथा—चिता की राख में नेवले का दांत घुसाकर पुतली बनावे फिर जिसमें विद्वेषण करना हो उसके नाम से विद्वेषण मन्त्र से अभिमन्त्रित कर जंगल में गाढ़ देने से भी विद्वेषण हो जाय।

अन्य—दक्खन में हाथी और सिंह के दांत को पीसकर जिसके नाम से भी मन्त्र पढ़कर अग्नि में हवन करे उसमें विद्वेषण अवश्य हो।

माली की डलिया से फूल कूदें

रविवार को मरा हुआ मेंढक लाकर उसे धूप

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

और दीप दिखाए फिर उसे चिकनी मिट्टी में गाड़ दें और उसके मुँह में मूंग के बीज बो दें फिर उसे जल से सींचें जहां आप उस मेंढक को गाड़े वहां पर किसी पुरुष की छाया नहीं पड़ने देवे। जब फली हो जाए तो उसे घर के अन्दर ले आवे और दोनों को अलग-२ कर गुगल की धूनी दिखाकर उसे अपने पास रख लें। फिर जब आपको खेल करना हो तो उस समय माली की टोकरी में मंगलवार या इतवार को छोड़े तो टोकरी के फूल उछलने लगेंगे।

हंस सिद्धि

जो साधक एक लक्षप्रमाण हं हं के हँसाः हंसः यह मन्त्र एकाग्रचित से जप कर मदिरा व मांस द्वारा गुमकालिका देवी की अर्चना करने से मन्त्र सिद्ध होता है। एवं हंस का शब्द समझने की शक्ति प्राप्त होती है। हँस विष्टा तिलक करने से सर्वज्ञता लाभ होता है।

सब भैंसे नजर आवें

आपके किसी शत्रु को सारे नजर आवे आप यह चाहते हैं तो आप जब भैंस मर जाए तो आर्द्रा नक्षत्र

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

में रविवार के दिन उसके कपाल की खाल करके उसमें मरघट की राख और विष्णु रज भर दें और उसके बाद भांग के बीज डाल दें जब बहुत बीज उपज आएँ तो उसके पत्ते तोड़कर उसे सुखा लें। फिर उसमें थोड़ी सी भांग काली मिर्च और बादाम घोट कर किसी मनुष्य को पिला दें तो उसको भैंसे ही भैंसे नजर आयेंगे।

जले हुए रूमालों को बन्दूक का फैर होते ही साबित होकर सफेद बोतल के अन्दर से निकालना

एक सफेद बोतल लेकर उसकी पेंदी काट डालो और उसकी पेंदी के बीच में एक सुराख करो इसके बाद एक छोटी मेज डेढ़ फीट लम्बी चौड़ी और चार इन्च ऊँची बनवाओ और इस मेज के तख्ते के सतह (धरातल) के बीचों बीच एक गोल सुराख आरपार इस अन्दाज का बनवाओ कि जिसमें ऊपर बयान की हुई बोतल पेंदी की ओर से चावल की लम्बाई के बराबर फंस कर खड़ी हो जाय जब खेल करना चाहो तो पहले एक बड़ी मेज पर यह छोटी मेज रखो और

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

उस छोटी मेज के चारों ओर ५ इन्च लटकती हुई रंगीन कपड़े की माला (पर्दा) लगाओ बाद इसके पैंदी की कटी हुई बोतल को छोटी मेज के सुराख में पैंदी की ओर से चावल की लम्बाई के बराबर फंसा-कर खड़ा करो फिर एक रूमाल उसके नीचे रखकर एक बारीक रेशम के सूत का एक सिरा उस रूमाल के बीचोंबीच में टांग दो और दूसरा सिरा बोतल के अन्दर पैंदी के बीच से डालकर बोतल के बीच वाले सुराख की राह से बाहर निकालकर अपने साथी को जो कि जादू की झोंपड़ी में छुपा बैठा है दे दो। इसके बाद तुम एक दूसरा रूमाल जो पहले रूमाल की सूरत का है समाज में दिखाकर जला दो और उसकी राख बन्दूक में भरकर वन टू थ्री की आवाज के साथ उस रेशम के सूत को बन्द मगर सहारे से खींचो तो यह रूमाल रेशम के सूत के कारण बोतल में आ जाएगा।

पानी में कुल्हड़ न डूबें

चार माशे हींग को कोरे कुल्हड़ में रखकर उस कुल्हड़ को पानी में डाल दो तो चाहे कितने ही दिन क्यों न पड़ा रहे तैरता ही रहेगा।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

मच्छर दूर हों

लौंग का तेल चारपाई के पास छिड़कने से मच्छर तुरन्त भाग जाते हैं।

आज्ञाकारी अण्डा

आप किसी कांच के बर्तन में तेजाब और नमक भरलो और फिर उसमें अण्डा डूबोदो तो वह आज्ञा-कारी अण्डा बन जाएगा जब आप उसे डूबने को कहोगे तो वह डूब जाएगा और जब उसें तैरने को कहोगे तो वह अण्डा तैरने लगेगा।

काकरेज का रंग बनाना

पहले कपडे को पहले राई के रंग में बोरे फिर काढ के पानी में भिगोये फिर फिटकरी में रंगकर उसे छूका ले फिर पतंग में रंग कर गोल का लुआब दो तो काकरेची रँग बन जाएगा।

साँप निकालने की विधि

आप उपले की राख के अन्दर गधे का का मुत्र और मदीरा डालकर उसकी लुगदी बना ले फिर सात दिन तक रोज सुबह उस लुगदी में सर्प बना कर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बिगाड़ दें आठवे दिन आप उस लुगदी को जिस सर्प के ऊपर गेरेंगे वह बंध जायेगा।

कोयले का हरा रंग करना

जलते हुए कोयले को किसी बर्तन में लेकर उसके ऊपर कास्टिक सोडा डाले तो कोयला हरा हो जाएगा। ऐसा करते समय सावधान रहना चाहिए।

अण्डा उड़ाना

आप हंस का या मुर्गी का अण्डा लेकर उसका जर्दा निकाल ले फिर उस अण्डे के अन्दर घास भर दे और उस छेद को मोम से भर दें और उस अण्डे को धूप के अन्दर रख दे तो थोड़ी देर में अण्डा उड़ने लगेगा।

पानी में दीपक जले

हिरनी के दूध में रूई भिगोकर उसे छाया में सुखा लो फिर उसकी बत्ती बनाकर उसे दिपक में रख दो और दीपक में पानी भर दो और दीपक को जला दो दीपक बुझेगा नहीं।

सर्व दोष नाशक मन्त्र

ॐ श्री ह्रीं फट् स्वाहा। आक और अरडे की

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

जड़ मँगाकर सिन्दूर लगाके धूप दीप दिखलावे सात बार उपरोक्त मन्त्र पढ़ बांये हाथ से उठाकर रोगी को दिखाकर घर या आँगन के कोने में गाड़ें तो सब तरह के दोष मिटे।

ग्राम विघ्न निवारण तन्त्र

रविवार या मँगलवार को बन्दर का हाड़ लाकर धूप दीप से पूजा करे। गांव के बाहर गाड़ दे और दिन में पूजा करे तो गांव की विपत्ति दूर होय।

सर्व दोष करण मन्त्र

शनि दिन सन्ध्या के समय उत्तम मुख उतरा जाय। चाक पै चौतठें दीप को उल्टी चाक फिराय। फिर सब दीपक में घृत की बाती जलाकर रोगी को सन्ध्या समय उत्तर मुख उतरा करे भात दूध रखकर रोगी को छुआकर चौराहे पर धरे तो रोग दोष नाश होय।

घड़े का अभ्यास

एक कच्चा घड़ा लेकर उसे निर्जन स्थान पर किसी पेड़ से उल्टा मुँह करके जमीन से दो गज ऊँचा बांध दो और फिर आप पांच गज उस घड़े से

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दूर खड़े होकर उस घड़े पर एक छोटी बिन्दू लगाकर उस बिन्दु पर बिना पलक झपके देखते रहो मन में सँकलप करो की घड़ा बड़ी तेजी से आपकी ओर आए। एक हफ्ते की साधना के बाद वह घड़ा आपके बिलकुल नजदीक आ जाएगा।

फिर तुम मुक्का मारकर उस घड़े को फोड़ दो। फिर एक निर्जन मकान में पक्का घड़ा चौकी पर रखकर दोनों हाथ घड़े पर इस तरह रखो की दाहिने हाथ का अंग्रूठा बांये हाथ के अँगूठे पर रहे, पर घड़े पर जरा सा भी जोर न पड़े। आपके हाथों की आकर्षण शक्ति घड़े में भरी जा रही है।

और घड़ा शक्ति के प्रताप से घूमा जा रहा है। ऐसा विचार आप अपने मन से करो। फिर आप नेत्रों को बन्द करलो और अगर कान में किसी प्रकार की आवाज पड़ रही हो तो उसे भी बन्द कर लो। फिर आपको महसुस होगा कि खड़ा पहले धीरे २ और फिर तेजी से घूम रहा है।

यहाँ तक कि जिस तरफ आप घड़े को घुमाना चाहोगे वह उसी ओर घुमेगा। अभ्यास बढ़ने के बाद आप सीटी बजा कर भी घड़े को घुमा सकते हैं।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

यहाँ तक की घड़े पर एक-दो व्यक्ति बिठा कर घड़ा घुमाया जा सकता है।

मसान जगाने का मन्त्र

ॐ नमः आठ की कलड़ी मूजबत्ती का बाण मुआ मुर्दा बोले नहीं तो महाबीर की आन शब्द सांचा फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

मद्य २ सेर और कपूर, कचरा, छोड़ छबीला इत्र, लोहवान और चमेली के फूल लेकर श्मशान में, जाकर मन्त्र जपे तो मशान जागे।

सर्व ग्रहण निवारण मन्त्र

ॐ नमः भव भास्कराय अस्माकं सर्व ग्रहन पीड़ा नाशनं कुरु स्वाहा।

विधि—पहले मन्त्र को १०९ बार जप सिद्ध करे फिर आक धतूरा ओंगा, बरगद अशोक और दूर्वा की जड़ और शम्मी आम्न ढून्बर का पत्ता चावल, चना, मूंग, गेहूँ जौ तिल श्वेत सरसों कुश मधु गोमूत्र दुग्ध और घृत इन सबों को एकत्र कर शनि-वार को सन्ध्या समय उपरोक्त मन्त्र से नियमानुसार १०८ मन्त्र पढ़कर आहुति देवे तो सर्व प्रकार के ग्रह

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पीड़ा भूतोपद्रव एवं महा पातक दोष महा दरिद्रम नाश होकर सुख शांति मिले ।

अनार के फल में से अंगूठी निकालना

बहुत से खेल करने वाले पहले एक अनार में अंगूठी रख कर और उसको जोड़कर अनार में से अँगूठी निकालने का आश्चर्यजनक खेल दिखाया करते हैं परन्तु यह खेल बहुत मामूली दर्जे का है साधारण मदारी भी ऐसा खेल दिखाएँगे क्योंकि वह अपने किसी मेल वाले के पास से अंगूठी लेकर और उसको गायब करने का कौशल दिखाकर अनार में से अँगूठी निकालकर दिखाने का खेल करेंगे, परन्तु ऐसी दशा में वह दोनों अँगूठियाँ एक सी होंगी और अनार को किसी दर्शक के हाथ में गौर से जाँच के लिए न दिया जा सकेगा । मेल वाले की दी हुई वैसी ही अंगूठी होगी । परन्तु यदि मेल वाला आदमी न हो या कोई दूसरा आदमी ही पीछे पड़ जाय कि उसकी अँगूठी गायब करके अनार में से निकाल कर दिखाओ तो क्या होगा तमाशे वाले को मुंह की खानी पड़ेगी या उसकी तरकीबें अपने खेल को सफल बनाने के लिए लानी होगी इस खेल में भन्डाफाड़ होने का डर है

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

इसलिए ऊंचे दरजे के खेल करने वाले इस विधि से काम नहीं लेते'

हमें पहले हीं जादू की छुरी से काम लेने की आवश्यकता है। छुरी का हाल हम नीचे लिखेंगे किसी दर्शक से एक अँगूठी उधार लो एक रूमाल में सबको दिखाकर यह साबित करो कि रूमाल में कुछ नहीं है सीधे हाथ में दर्शक लेकर अपने बांये हाथ के अंगूठें और दो उंगलियों से पकड़ों और घाई या हथेली में एक पीतल की अंगूठी छिपाये रहो। असली अंगूठी को रूमाल से ढका जाए बस वहीं पर असली की जगह नकली और नकली की जगह असली कर लो रूमाल से नकली अंगूठी ऊपर से पकड़ने के लिए किसी तमाशाई से कहो। जब वह अंगूठी को रूमाल पर से पकड़ ले तो उसे कहो कि वह अंगूठी को पास के कुएं में डाल आवे। दर्शक यही समझेंगे कि रूमाल में तमाशाई द्वारा असली अंगूठी है।

पानी को फूंकना

एक मिट्टी या शीशे का प्याला लो और उसे पानी से ऊपर तक पूरा भर लो। अब आप इस प्याले को अपने बांयें हाथ की हथेली पर रखकर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दूसरे हाथ से पानी के धरातल पर पास करना आरम्भ कर दो। लेकिन इस प्रकार पकड़ो कि पानी बिल्कुल स्थिर रहे। लेकिन पास करते समय आपके हाथ की अंगुलियाँ पानी के पास तक तो रहे, पर उसे छूएं नहीं। पासा करते समय पानी की सतह पर अपनी दृष्टि जमाए और धीरे-२ पानी में फूंक मारे। यह सब करते समय आपके मन में यह विचार होना चाहिए कि यह पानी जो पीएगा उसको दस्त लग जाएंगे। इस प्रकार लगभग १५ मिनट तक लगातार करते रहें। और फूंकते रहें इससे आपकी चुम्बकीय शक्ति उस पानी में प्रविशत हो जाती हैं। इसके बाद उस प्रानी को तुम स्वयं पी लो अथवा किसी और को पिला दो, ध्यान रहे जब तक उस प्याले का पानी कोई पी न ले जब तक उस प्याले को नीचे भूमि में नहीं रखना है। वरना पानी की सारी शक्ति भूमि में समा जाएगी। जब आप वह पानी किसी को पिलाएंगे तो आप देखेंगे कि जो व्यक्ति ने वह पानी पिया है उसे ५ या ६ दिन तक दस्त लगे रहे। उसके दस्त तभी बन्द होंगे जब वह उल्टा पानी पी लेगा वरना ५ या ६ दिन के बाद उसके दस्त अपने आप बन्द हो जाएंगे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

काँच के प्याले में चुरुट का धुंआ फूंकने से घूमता रहे

कांच के गोल जोड़े पल्ले होते हैं कि जब दोनों पल्ले जोड़े जावें तो एक पूरा गोल बन जाता है अब एक पल्ले में सज्जी और सोड़ा पानी मिलाकर लगाओं और दूसरे में क्लोरेडेरिक ऐसिड (अंग्रेजी तेजाब) के संयोग से गोले में गुब्बार उठेगा। तुमको चाहिए कि इस मौके पर चुरुट का धुंआ भी छोड़ दो तो तमाशा देखने वालों को गोले के अन्दर चुरुट का धुंआ घूमता दिखाई देगा।

काली लाह

वा नश टारपेटाइन ग्यारह तोले, ब्लेक ३२ तोले क्लोभन्नी डेढ़ तोला और अन्दाज का कागज, इन सब की तारपीन के तेल में मिलावट तैयार कर लो।

चांदी के जेवरों पर से काले दाग दूर करना

क्लारेड आफ लाइम में थोड़ा सा पानी मिलाकर कंघी या बुरुश से धो डालो जेवर चमकने लगेगा।

जर्मन सिलवर बनाने की विधि

लोहा १ भाग, निकल दस भाग, तांबा बीस भाग

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

शीशा दस भाग सबको मिलाकर गला दो, बहुत सुन्दर जर्मन सिलवर बन जाएगा।

सोने को सफेद करना

शोरा दो औंस, फिटकरी एक औंस, नमक एक औंस इन सबको बारीक पीसकर मिला लो और जिस सोने को सफेद करना हो उसे पानी में भिगोकर ऊपर लिखे हुए चूरण को डूबाओ पीछे मूस अथवा मिट्टी का ठोकरा ले ऐसे गरम करो कि लाल हो जाये तब उनके ऊपर सोने के चिमटे से पकड़े रहो जब तक लगे हुए चूरण का पानी सूखे तब तक उसे दूसरी तरफ फिराओ जब वह सूख जाएगा तब सोना जर्द रंग का दिखाई देगा। उसको साफ ईंट पर रखकर ठण्डा कर लो फिर एक बड़ी मूस लेकर उसमें साफ पानी एक मुट्ठी पिसा हुआ नमक और पिसा टार्टर डालकर सात आठ बूंद नौशादर के तेजाब को टपका दो और जोश देकर सोने को उसमें उस समय तक डाले रखो जब तक वह सफेद न हो फिर उसको बाहर निकाल कूंची से धोकर साफ कर लो।

तलवार को जौहरदार करना

तेजाब फारूक आठ तोले और गरम पानी चार

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

तोले मिलाकर तलवार को ताव देकर उसमें बुझाओ तलवार जौहरदार हो जाएगी ।

पत्थर पर सुनहरी मुलम्मा

शोरा छः भाग, एक सुम्रारजिम्रा छत्तीस भाग में गलाकर एक भाग राँग बात समय आफ लिकर तीन भाग आयल आफ टरपेंटाइन में मिलाकर धीरे-धीरे खरल करें यहाँ तक खरल में घोटे जायें कि सख्त हो फिर उसमें आयल आफ टरपेंटाइन ४ भाग मिलाकर काम में लावें ।

बिना कल चांदी के मुलम्मा

२ तोले नाइट्रेट सिलवर को पानी में भिगो दो । जब गल जावे तब उससे हाइपोसलफिरेट डाल दो यह भी गल जावे तो पानी में स्पंज भिगोकर जिस चीज पर मुलम्मा करना चाहो उस पर खूब रगड़ों । थोड़ी देर में चाँदी का उम्दा मुलम्मा हो जायेगा ।

सोने की चीज को चमकाना

गेरु २ हिस्सा नौशादर एक हिस्सा इन दोनों को पानी के साथ पत्थर पर पोतो फिर सोने की सब चीजों को आग पर रख कर सुखा लो धुंआ बन्द होने पर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

निकाल कर ठण्डे पानी में बुझाओ और फिर साफ पानी से धोकर और पिसे गेरू में घिस कर उन चीजों पर लगाओ और आग पर सुखाओ फिर बुरुश या साफ कपड़े से पोंछकर चमका दो।

कलाबत्तू बनाने की सहज रीति

निखालिस चांदी का जितना चाहे उतना पतला व मोटा तार जन्त्री में खींच कर और बाद में हथोड़े से पीट कर चपटा कर लुहार इलेक्ट्रिक बैट्री अर्थात विद्युत यन्त्र के जरिए जितना पतला या मोटा सोटा चढ़ाना चाहो चढ़ा लो और फिर उसे पीला करके बटे हुए पीले रेशम पर चढ़ा लो तो कलाबत्तू बन जाएगा।

सोने के वर्क बनाना

असली सोना लाकर बारीक तार खिचवा लो तथा जितना चाहो उतने वजन के सांचे में टुकड़े कटवा लो इन टुकड़ों को हथोड़ी से जितना बढ़ा सको चौकोर बढ़ा लीजिए फिर इनको हिरन की खाल की एक २ तार वाले थलीरथ हथोड़े से चौकोर बढ़ाओ पश्चात उनको खोलकर कागज पर लगाओ तथा गड्डियां बना

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

डालो। बस वर्क बनाने की सरल रीति यह है इसी प्रकार चांदी के वर्क भी तैयार हो सकते हैं।

नीली लोहे की मुहर

इलेक दो भाग, डियामेरेजट २ भाग बरऊ एक भाग बैंनसिट रपेनिटाईन एक भाग एल्टममारेन तीन भाग, इन सबको मिलाकर बनाओ अगर हल्का नीला चाहो तो शुद्धसल्फेट एक भाग और मिला दो।

मुलम्मा करना

असली चांदी पांच भाग, नमक का तेजाब सत्रह भाग, शोरे का तेजाब बीस भाग इन सबको बड़े चीनी के बर्तन में रखे, फिर सोना डालकर आग पर रखकर पिघलायें जब धुंआ निकलना बन्द हो जाये तो दूसरे बर्तन में उल्टा कर ठण्डा करने को रख दो। थोड़ी देर बाद जिस वस्तु पर मुलम्मा करना हो उसको तार में बांधकर बर्तन में लटका दो तथा नीचे आग जला दो ऐसा करने से मुलम्मा चढ़ जायेगा। फिर धोकर साफ कर डालों।

लोहे को गलाना

इस्पात का एक टुकड़ा आग पर खूब तपाओ

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

जब सुर्ख हो जाय तो गंधक डाल दो। ऐसा करने से लोहा पानी २ हो जायेगा।

गुलदस्ता हरा करना

ताजे फूलों का गुलदस्ता बनाओ और उस पर पानी में कारबोनेट आफ सोडा मिलाकर छिड़कते रहो तो गुलदस्ता बहुत अर्से तक हरा भरा बना रहेगा।

कपड़े पर की चर्बी दूर करना

लिक्वड एमोनिया, ईथर और अल्कोहल इन तीनों को बराबर लेकर मिलाओ। कपढ़े के नीचे ब्लाटिंग पेपर रख लो फिर स्पंज के टुकड़े इसमें भिगो कर दाग पर खूब फेरो तो चरबी पिघल जायेगी तथा नीचे लगा कागज उसको खोल देगा।

बालक कवि होना

बच का चूर्ण पीसकर दूध के सँगे।
खीर भात भोजन करे तो कविता करे।

ॐ सरस्वति नमः इसका प्रतिदिन १०८ बार जाप करे।

नीलम बनाना

पोटाश ४०६८ ग्रेन तथा औक्साइड आफ

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कोबाल्ट ६८ ग्रेन दोनों को मिलाकर आग पर चढ़ा दो तो नीलम बन जायेगा।

हीरा बनाना

सिलीका आठ औंस, कारबोनेट आफ पुटाश २४ औंस, दोनों को मिलाकर गरम करलों फिर ठंडा करके उसको डाईलूयेटेड नाइट्रिक एसिड में डालदो जब खदखदाना बन्द हो जाय फिर पानी से एसिड को धों डालो तथा सुखाकर कारबोनेट ८ औंस मिला लो और एक औंस सुहागा मिलाकर चीनी के खरल में घोट डालो और गरम करके दो तीन बार बुझाओ अन्त में शोरा डाल करके रख दो बस हीरा बन जायेगा।

फिरोजा बनाना

आक्साइड आफ कोबाल्ट दस ग्रेन ग्लास आफ एन्टी मनी २४ ग्रेन पोटाश ३४ ग्रेन सबको आग पर पिघला कर ठंडा कर लो, बस फिरोजा बनाने की यही सरल रीति है।

पुखराज बनाना

पोटश १०५ ग्रेन ग्लास आस एन्टीमनी ४० ग्रेन

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

ऐम्पिल आफ केसिस एक ग्रेन इन सबको आग पर चढ़ा दो तो पुखराज बन जायेगा ।

लाल स्याही बनाने की रीति

सज्जी एलुवा और कत्था इन तीनों को मंगाकर अलग २ कूट कर पानी में मिलाकर तांबे के बर्तन में कत्था जल भर कर चूल्हे पर चढ़ा दो और नीचे आग जलादो जब उबाल आने लगे तब सज्जी का पानी और एलुवा उसमें मिला दो जब तीनों मिल कर एक हो जायें तब नीचे उतार लो इस प्रकार लाल स्याही हो जायेगी ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

आकर्षण मन्त्र

काले धतूरे का रस गोरोचन में मिलाएँ, फिर एक कनेर की लेखनी से भोजपत्र पर जिसको आकर्षित करना हो उसके नाम के साथ मन्त्र को भी लिखे। उसके बाद खैर की अग्नि जलाकर उसमें उसे तपाए तो एक योजन तक के सभी आपसे आकर्षित हो जाएंगे। अथवा अनामिका की उंगली के रक्त से नाम लिखकर मन्त्र उसके नीचे लिखे फिर उसे शहद में डुबोए तो स्त्री और पुरुष आपसे आकर्षित हो जाएंगे। अथवा मनुष्य की खोपड़ी को किसी श्मशान से लाए। उस खोपड़ी पर गोरोचन से मन्त्र लिखकर खैर काष्ठ की अग्नि में उसे तीन सांझ तक मन्त्र पढ़-पढ़ कर तपाते रहे तो रूठी हुई स्त्री भी आकर्षित हो जाएगी। पहले आप दस हजार बार मन्त्र जप कर उन्हें सिद्ध कर लें।

मन्त्र

नमो देव आदि रूपाय अमुकस्य आकर्षण कुरु कुरु स्वाहा।

हाज़रात करना

हाजरात मन्त्र

ओम नमो कमलायै सर्वे सिद्धिये अमुक कर्म

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कुरु २ स्वाहा स्वाहाः ओम अस्य मंत्रस्य विहवकं ऋषि जगति छंदः कामाख्या देवता प्रणदा शक्ति अव्यक्त कोलक अमुक कर्मल जपे ।

लौंगी वशीकरण मन्त्र

ॐ नमो जल को योग सोने न पावै सुख से बैठ न पावें सुख घूमि फिरि ताके मेरा मुख मेरी वांधी छूटे तो बाबा नरसिंह का जटा टूटे ।

चार लौंगी पत्ता में लपेट कर धूनी दे ओष्ठ से दबाकर किसी तालाब में एक गोता मार कर सात बार मन्त्र पढ़े फिर सात बार मन्त्र पढ़कर धूनी दे तो जिस स्त्री को खिलावे वह वशीभूत होय ।

अन्य—ॐ नमो कामरू देश कामाख्या देवी जहां बसै इस्माइल योगी इस्माइल योगी ने दिये चार लौंग । एक लौंग निशि माता दूजी लौंग तिल वे राती तिसर लौंग रहे भुलाय चौथी लौंग मिलन कराय नहीं आवे तो कुवां बावड़ी घट फिरै रन्डी कुवां बावरी छिटक मरे ॐ नमः गुरु की आज्ञा फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा ।

ग्रहण के समय चार लौंग चार दिशाओ घर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बीच एक चौमुख दीप जलाय विधि अनुसार हजार मन्त्र जपे फिर सात बार मन्त्र पढ़ जिसे खिलावे वशीभूतहोय ।

प्रेत वशीकरण मन्त्र

ओं डं डीं डूं डुग डुगडीं ।

अमुक प्रेम ग्रह हू हू ठः ठः स्वाहा ।

विधि

आदित्यवार को अभिजित नक्षत्र में श्मशान भूमि में जा कर मुर्दे की हड्डी लावे और उसकी कील बनावे । फिर किसी मुर्दे मनुष्य की खोपड़ी लावे । मन्त्र जाप कृष्ण पक्ष की अष्टमी को आरम्भ करे और जब मन्त्र समाप्त हो जावे, तब कील को मुर्दे की खोपड़ी में गाढ़ दें । इस प्रकार इकसठ दिन तक प्रयोग करने से मन्त्र सिद्धि को प्राप्त होगा ।

पशु स्तंभन मन्त्र

(१) ऊँट की हड्डी की चार कीलें बनाय चारों कोण में गाड़े तो पशु न निकल सके ।

(२) ऊँट के रोम जिस पशु पर डाले वह वहीं खड़ा रहे ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

(३) घृत और तेल गदहे के चूतर में लगा देय तो वह चिल्ला न सके।

(४) मुर्गा के सिर में तेल लगावे तो बांग नहीं दे सके।

चोर नाम निकालने का मन्त्र

ॐ नमः किष्किन्धा गिरी पर कदली वन में फल फूल दण्ड दल कुंज देवो नतप्रसाद देवी अलग पालको पालक माघ बूटी चोर तेरे कुंज को देवी तेरी आज्ञा फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

जिस पर संदेह हो उस सबका नाम लिख आटे की गोली में बन्दकर इक्कीस बार मन्त्र पढ़ २ जल के में छोड़ जो गोला उतराय उसे पकड़े।

पानी में दीपक जले

चीनियां कपूर की बत्ती बनाकर दीपक में डाल दें फिर दीपक को पानी से भर लें जब आप उस बत्ती को जलायेंगे तो वह बुझेगा नहीं।

कोल्हू में तेल न ठहरे

मंगलवार या इतवार के दिन गीदड़ की विष्टा लाकर बेर की बराबर १०५ गोली बना लो और

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

उसकी माला बना लें उसी दिन गधा-गधी संगम करता हुआ मिले तो उसके गले में डाल दें और जब संगम हो जाय तो फिर जहां कोल्हू चलता हुआ दिखाई दे उसके सामने खड़ा होकर ऊँचा करे तेल बाहर गिरेगा।

मृतक आत्माओं को बुलाने और उनसे बातचीत करने की विधि

इस आत्मा विद्या के कई ज्ञाताओं का एक दूसरा मत है। वह यह कि पिलांगचित यन्त्र यानी करा-माती मेज के नीचे शीशे के गिलास में साफ पानी भर के रक्खे। उसके समीप एक मोमबत्ती जला दें। मोमबत्ती के जलने से जिस वक्त प्रकाश गिलास पर पड़ेगा, उसी समय आत्मा का आवाहन होने लगेगा, पिलांगचित यँत्र पर यह प्रयोग रात्रि के साढ़े नौ बजे शुरू करना चाहिए। लेकिन ध्यान रहे कि जिस समय आंधी चल रही हो वर्षा हो रही हो या बादल गरज रहे हों। उस समय प्रयोग न करना चाहिए क्योंकि ऐसे समय में पिलांगचित यन्त्र अपना काम नहीं करता। क्योंकि यदि बादलों की गरजना हो रही हो

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

या बिजली चमक रही हो उस वक्त आत्माएं वापिस चली जाती हैं। साधकों को यह बात कभी भी न भूलनी चाहिए।

शरीर न जलने की विधि

यदि आपको अग्नि में अपना शरीर रखकर भी न जलाना होवे तो इस विधि के अनुकूल कार्य करें। समुद्रफेन, मुर्गी के अण्डे का छिलका और पारा लेकर आपस में मिलाओ, जिस समय भली प्रकार मिलाकर एक अच्छे लेप की भांति हो जावे, उस समय इस लेप को शरीर पर मले, इससे शरीर न जलेगा। यह विधि अग्नि लगने के समय बड़ी लाभदायक होती है क्योंकि जिसस्थान पर साधारण मनुष्य का गमन नहीं हो सकता, इस लेप की सहायता से उस स्थान पर जा सकता है और कई प्रकार से माल और जान तक बचा सकता है वास्तव में यह एक अति लाभ वाली वस्तु है।

अग्नि से हाथ न जले

फिटकरी, अफीम, सांभर नमक, कतीरा गोंद, मुर्गी के अण्डे का छिलका और पारा बराबर-बराबर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

लेकर पीस लेवें। जब पीसकर एक जान हो जावे, उस समय इनको सिरके में मिलाकर पतला लेप बना लेवे। जिस समय कौतुक दिखाना हो उससे प्रथम इस लेप को हाथ पर लगाकर छाया में सुखा लो इसके बाद हाथ पर आग रखने से हाथ न जलेगा।

सर्प विष नाशक तिलक मन्त्र

धारनिः स्वने स्वसन्वासिनी नीतनीभे झग झग गह गह फट फाट मथ मथ ज्वाला द्वलिनी बिद्रु में हन हन विष नाशाय २ ह्रीं स्तम्भ २ विद्रक्य २ स्थावर जंगम विष नशाय नाशं द्रुत २ लट लट लट कुरु २ ह्रीं फट् स्वाहा।

इस मन्त्र का प्रयोग करने से पहले ब्राह्मण द्वारा नील निभा देवी का पचोपचार पूजा अर्चना करके देवी का चरणामृत लेकर सर्प काटे हुए व्यक्ति के स्थान को धुलावे तथा पिलाकर मन्त्रादि धुलावे फिर उत्तर बिठाय सिर पर ३२ बार शरीर पर १६ बार कण्ठ में १२ बार हृदय में ८ बार नाभि में ६ बार और जानु में ४ बार मन्त्र को जप करे तो मन्त्र ग्रन्थों का कहना है कि मृत व्यक्ति भी जीवन पा सकता है।

ची० ब० जा०

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

हर प्रकार के दस्त रोकने का योग

इस प्रयोग से रक्तसार, पेचिश और हर प्रकार के दस्त बन्द हो जाते हैं।

योग—ताल मखाना एक तोला, दही में मिलाकर पिलावें। इसी प्रकार दिन में तीन बार इस्तेमाल किया करें। निश्चय ही दस्त बन्द हो जावेगे।

बाजीकरण चूर्ण

कौंच के बीजों की गिरी दस तोला, मिश्री दस तोला दोनों को कूट पीस कर चूर्ण बना लें और सुरक्षित रखें मात्रा ७ माशा रात्री को सोते समय गौ दुग्ध सेवन किया करें। कुछ दिनों के सेवन से वीर्य उत्पन्न होकर बाजीकरण शक्ति बढ़ जाएंगी।

चौथिये ज्वर में टोटका

खटमल जितने मिल सकें संग्रह कर लें जब मर जायें तब एक लोहे के तवे को आग पर गरम करके नीचे उतार लें और मरे हुए खटमलों को उस तवे पर डाल कर जरा सा हिला दें ताकि उनकी तरी

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

खुश्क हो जाय (बस तत्काल ही तवे पर से उतार लें वरना उनके काले हो जाने पर क्रिया बिगड़ जाएगी) फिर पीस कर सुरक्षित रखें, मात्रा एक ग्रेन से एक रत्ती तक रखें।

पेट रोग नाशक तरीका

रोगी के दोनों नेत्र बन्द कराके चित्त लिटाओ फिर प्रयोग कर्त्ता अपने दाहिने हाथ को बायी ओर बाएं हाथ को दाहिने ओर लाकर पेट और सूंडी पर से पास करके हाथों को पेट की ओर लावे और फिर अलग कर ले। इस प्रकार चार मिनट तक करना चाहिए। और सूंडी पर फूंक मारनी चाहिए। फिर रोगी से तीन बार लम्बे २ सांस खीचने को कहना चाहिए।

अत्याहार करण मन्त्र

ॐ नमः सर्व्व भूतादिपतये ग्रस ग्रस शोष शोष भैरवी आज्ञा पयति स्वाहा।

यह मन्त्र पढ़कर बरगद के पेड़ को न्योता कर दूसरे दिन फल लाय माला बनाकर भोजन करे तो भीम सदृश भोजन करने में समर्थ होय।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

अन्य विधि—शनिश्चर को बहेड़े वृक्ष को न्योता कर रविको प्रायःकाल मन्त्र पढ़कर पत्ता लाय दाहिनी भुजा या जांघ में बाँधें तो बीस गुणा बेसी अहार करें।

अदृश्य धन जानने का मन्त्र

ॐ कनक स्फूटि विश्वके सेना चींग श्रांजनी परमां दृष्टि कुरु कुरु स्वाहा।

पूर्णिमा याग्रहण मास के मारे हुए हिरण के चर्म अथवा कस्तूरी लिए हुए जो हिरण मारा गया हो उसके चर्मपर दो में से किसी एक पर आसन बनाकर बैठकर मूंगा की माला से १०८ बार मन्त्र जपे तथा आहूति कर और एक अष्ट धातुकी कटोरी पर मन्त्र लिखकर सन्मुख रखे तो जहां धन गड़ा हो कटोरी वहीं जाकर ठहर जाय।

पीड़ा हरने का टोटका

हल्दी ६ माशा पीस कर प्रतिदिन पानी से खिलाया करे और इसी को घिस कर लेप किया करे। साधारण और सरल योग है।

पुन

काले साँप की केंचुली को तिल के तेल में जला

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कर और अच्छी तरह खरल करके मरहम बना लें और प्रतिदिन कण्ठ माला पर लगाया करें पोड़ा मिट जाती है।

बिच्छू काटे का अगद

जब बिच्छू काट खाये तो तुरन्त उसे पकड़ कर मार डाले और दहकते हुए अंगारों पर डाल कर दक्षित स्थान पर उसको धूनी देपोड़ा मिट जाती है।

बच्चों के सूखा मशान के लिए टोटके

इस रोग से बालक दिन प्रतिदिन सूख कर अस्थि पिंजर रह जाता है, रोग के आरम्भ में कुछ पता नहीं चलता वैसे यहाँ पर इसके एक दो चिन्ह लिख देता हू।

जिस बालक को इस रोग के होने का सन्देह हो उसके कान की लौ को चुटकी से दबा दे। यदि बालक को कष्ट न हो तो निस्सन्देह यही रोग है।

इस रोग से ग्रसित बालक को हर समय दूध पीने को धुन लगी रहती है, यह बालकों का यक्ष्मा रोग है। जो कई इलाजों से दूर हो जाता है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

अग्नि दग्ध की चिकित्सा

असली हींग लेकर पानी में हल करें और मुर्गी के पैर से दग्ध स्थान पर दिन में दो तीन बार लगावें और रात्रि को भी एक दो बार लगा दें। जलन बहुत जल्दी दूर हो जावेगी और छाला नहीं पड़ेगा।

चम्बल की दवा

ढाक के बीज सूक्ष्म पीस कर चूर्ण बना कर रखें और फिर खट्टे दही या छाछ में घोट कर प्रातः सायं लगाया करें।

तीर हाजिर करने का मन्त्र

बृहस्पतिवार के दिन जब नयी चाँद की रात हो उस दिन आप उपवास करो। और फिर शाम के समय आप खीर पका कर खाओ। आधी रात्री के समय आप लाल वस्त्र पहने और सुगन्धि लगाए। सिंगरफ रूमी से एक दायरा जमीन पर बनाए उसमें आप बैठ जाए।

और आप आठ लौंग, एक जलता हुआ दिपक,

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

चार छोटी इलायची, कत्था, सुपारी, घी को अपने पास रखे और फिर यह मन्त्र खुब मन लगा कर पढ़ें और मुवक्कल की शक्ल दिल में जमा रखें। मन्त्र यह है।

"तारा तुरी स्वाहा"। यह मन्त्र प्राय कठोर कष्ट और संकट के समय में पढ़ा जाता है। इस मन्त्र का आप पाँच हजार वार पढ़े इतने में आपका मुवक्किल हाजिर हो जाएगा और आपसे कहेगा क्या आज्ञा है मेरे लिए। तब जो भी मुसिबत या कठिनाई आपको हो वह काम आपका मुवक्किल झट-पट कर देगा। परन्तु ध्यान रहे इस मन्त्र को जो प्रयोग में लाए वह मजबूत दिल वाला होना चाहिए।

अगर वह मुवक्किल से डर गया तो उसकी तबियत भी खराब हो सकती है। मुवक्कल आपको कुछ नहीं कहेगा।

परन्तु अनुभव हीन व्यक्ति अपनी शक्ति खो बैठता है और फिर जब तक कोई व्यक्ति उसके मन में विश्वास न बिठाए कि मुवक्कल कुछ नहीं कहता तब तक वह सही नहीं हो सकता। इसलिए इस मन्त्र को प्रयोग में लाने वाला व्यक्ति मजबूत और कड़े

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दिल का होना चाहिए। ऐसे में उसकी मौत भी हो सकती है।

पानी को दूध बनाना

जब आपको इस प्रकार का खेल करना हो तो खेल करने से पहले किसी बर्तन पर अरण्ड की पत्ती को पानी में भीगोकर उसे पीसकर लगा ले और फिर उसे सुखा ले फिर जब आपको खेल करना हो तो दर्शकों से कहिये कि देखिए ये एक साफ बर्तन है। मैं अब इसमें पानी डालकर अपनी जादूई शक्ति से उस पानी को दूध बना दूंगा। और आप पानी डालेंगे तो वह दूध के अन्दर बदल जाएगा। और आप का खेल देखकर दर्शक दंग रह जाएंगे।

पुरुष वशीकरण मन्त्र प्रारम्भ

ॐ नमो महा यक्षिणी मम पति वश्यमानय कुरु कुरू स्वाहा।

प्रथम एक हज़ार बार जप सिद्ध करे फिर गुरुवार के दिन योनि का रक्त, सिंदूर, कदलीरस में मिलाकर सात मन्त्र पढ़कर तिलक करे तो पति प्रान समान माने अथवा गोरोचन योनि रक्त और कदली रस

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

में मिलाय तिलक लगाय सनमुख जाय तो अति शीघ्र वशीभूत हो दास के समान रहे अथवा अनार के फल फूल पत्ता शाखा और मूल ले सफेद सरसों के साथ पिसकर तीन बार मन्त्र पढ़ रति समय लेप करे तो पतिअवश्य वश में हो।

रोजी तथा धन मिलने का मन्त्र

ओं नमः भगबते पद्मावत्यै ओंम ह्रीं श्री पूर्वाय दक्षिणाय पचिमाय उत्तराय अन्नपूर्णास्ति सर्वं दम वश्ये करोति स्वाहा।

प्रातःकाल किसी से बात करने के पहले १०५ बार पढ़के चारों ओर कोण में दस बार मन्त्र पढ़ कर फेंके तो चारों दिशा से लाभ होय।

किसी को खुश करने का भारी मन्त्र

अगर कोई व्यक्ति बहुत विरोधी हो या कोई मित्र बिगड़ गया हो या किसी अफसर के साथ मेल मिलाप पैदा करना हो तो मंगलवार के दिन यह मन्त्र सात बार पढ़ ".र फूंक मारे तो वह तुरन्त सही हो जाएगा।

काला कलवा चौंसठ बीर, मेरा कलवा मागा तीर।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

जहां को भेजो, वहां को जाए, मास मुझे छू न जाय ।। अपना मारा आपे खाए, जलत बान, मारूं उलट । मठमारूं, मार-मार कलवा, तेरे आवसया छू खाद्य न जाए मारू दाहिन की छाती, इतना मेरा काम । न करे, तो मुझे अपनी मां का दूध पिया हराम ।।

साँप के काटे का मन्त्र

अगर किसी व्यक्ति को सांप काट गया हो, तो इस मन्त्र को पानी पर दम करके तीन चुल्लू भर पिलाए और तीन चुल्लू हाथ में दे, जहर दूर हो जाता है। मन्त्र यह है।

"श्री नरसिह हरि के वचन बचे हो,
हर त्रिया ने रोज खेलने का।"

नक्षत्र यक्षिणी साधन मन्त्र

ओं विचित्रेन चित्र रूपेण सिद्धि कुरु कुरु स्वाहा ।

विधि

पवित्रता से सावधान होकर बड़ के वृक्ष के नीचे बैठकर इस मन्त्र का एक लाख जप कर शहद घृत व दुग्ध को मिला कर दस हजार मन्त्र से हवन करे तो यक्षिणीखुश होकर साधक की मनोकामना को पूरा करती हैं।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

करामाती अंगूठी

आप इस करामाती अंगूठी द्वारा किसी भी आत्मा से आसानी से बात कर सकते हैं। यह अंगूठी आम तौर पर अष्ट धातु की बनी होती है। कागज, तेल शासानी कोयला और चुम्बक को चमड़ा कर मसि कर ढक नग तैयार कर लें और उस नग को अंगूठी के अन्दर लगा लें। आपकी करामाती अंगूठी तैयार है। अब इस अँगूठी को किसी व्यक्ति को देकर उसका मुंह दक्षिण की ओर कर दो। उस अँगूठी में देखने से पहले इस अँगूठी के काले नग पर सुगन्धित तेल लगा दो। फिर देखने वाले से कहो कि वह इस नग की ओर टकटकी लगाकर देखता रहे। जब वह ऐसा करेगा तो उसे पन्द्रह मिनट के बाद एक मकान नजर आएगा। आप व्यक्ति से प्रश्न करो कि तुम्हें क्या दीख रहा है। जब वह व्यक्ति कहे कि एक मकान। आप उस व्यक्ति से कहो कि आप प्रश्न का उत्तर देते वक्त भी अँगूठी के नग में देखे। फिर उस व्यक्ति को मकान का दरवाजा खुलता नजर आएगा और उस मकान के अन्दर चार मनुष्य कुर्सी पर बैठे नजर आयेंगे। जोकि इस अँगूठी

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

के चार वीर कहलाते हैं। फिर उस व्यक्ति से कहो कि जिस आत्मा को हम कहलाते हैं उसे हमारे सामने लाओ। चार या पांच मिनट में वही आत्मा व्यक्ति के सामने आ जाएगी। फिर उससे जो प्रश्न पूछना चाहते हो पूछ सकते हो और फिर नग को साफ करके किसी डिब्बी में 'रख लो। और जब कभी जरूरत हो, तब फिर काम में ले आओ।

कांच के टुकड़ों को चबाना

कांच के टुकड़ों को आग में गर्म करके लाल कर लो। फिर उन्हें अदरक के रस में बुझा लो। इन कांच के टुकड़ों को मुँह में रखकर आप ऐसे चबा सकते हैं जैसे आप चाक्लेट चबा रहे हैं। आप के मुँह में जख्म नहीं होगा।

ऋद्धि करण तन्त्र

भादों मास कृष्णपक्ष में जब भरणी नक्षत्र आवे तब चार कलसे में जल भर कर एकान्त में धरवावे। फिर दूसरे दिन प्रातः समय जो खाली हो उसे ले आवे और तीनों का जल वहीं गिराकर कलशे को छोड़कर खाली हुए कलसे को लाय अन्न भर नित्य पूजन करे तो अन्न हर समय भरा ही रहे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

अट्ठ भण्डार तन्त्र

जिस स्थान में बहुत दिन से होलिका जलती हो तो तहाँ जिस दिन होली जलाने को हो उस दिन गेहूँ ज्वार, गौ घृत तिलका तेल और एक पैसा कोर हाड़ी में मुंह बाँध कर गाड़े, फिर होली के प्रातः काल उखाड़ लावे फिर जो कोई वस्तु के संग में बांध रखें तो कितना हो खर्च करे पर वस्तु न घटै वह गुप्त रीती से करे।

कुश्ती जीतने का मन्त्र

ॐ मल्ला मल्ल बादर बसन्ता आहुम आहुम।

रवि या मंगल को कनिका की लकड़ी मन्त्र से न्योता लावे और १०८ बार मन्त्र पढ़कर दाहिनी बाहु बाँध कुश्ती लड़े तो अवश्य जीते।

एक गिलास का धुआं दूसरे गिलास में ले जाना

शीशे के दो गिलास लें उनके ऊपर के ढक्कन ऐसे होने चाहिएं कि हवा अन्दर न जा सके। ढक्कन भी शीशे के हों तो अच्छा हो।

एक गिलास के अन्दर पेंदी के ऊपर रुई की

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

फुरेरी से गन्धक तेजाब लगा दें और ढक्कन में नीचे की ओर शोरे का असली तेजाब रुई की फुरेरी से लगा कर दोनों चीजों को अलग अलग सुखा लें। तमाशा दिखाने से पहले कहीं इस ढक्कन को तेजाब लगे गिलास पर मत रख देना वरना तमाशा खराब हो जाएगा।

अब एक मेज पर तीनों गिलासों को अलग अलग रख दें। और दोनों के ढक्कन भी गिलासों के पास रख दें। यह ध्यान रहे कि तेजाब लगा हुआ ढक्कन तेजाब लगे हुए गिलास के पास ही रखना चाहिए।

जब तमाशा दिखाना हो तो सिगरेट का धुआं बगैर तेजाब लगे हुए गिलास में भर कर उस पर ढक्कन रख देना चाहिए ताकि धुआं एकदम बाहर न निकल जाये।

अब लोगों से कहो—'श्रीमान जी! मैं अपने जादू के जोर से इस गिलास का धुआँ दूसरे गिलास में पहुँचाता हूँ। आप सब लोग ध्यानपूर्वक देखियेगा।' यह कह कर तेजाब लगे गिलास पर तेजाब लगा हुआ ढक्कन रख दें और मुँह में झूठमूठ कोई मन्त्र पढ़ना

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

आरम्भ कर दें, जिससे कि दर्शक को विश्वास हो जाय कि आप वास्तव में ही कोई मन्त्र पढ़ रहे हैं, इतनी देर में दोनों प्रकार के तेजाबों के मिलने से गिलास के भीतर धुआं उत्पन्न होने लगेगा। आप अपनी ऊंगली से संकेत भी करते जायें ताकि लोग यह समझें कि आपकी उंगली के द्वारा एक गिलास का धुआं दूसरे गिलास में पहुंच रहा है। थोड़ी देर बाद उस गिलास के ढक्कन को जिसमें सिगरेट का धुआँ भरा है खोल दें ताकि धुआं गिलास से निकल कर वायु में मिल जाय, परन्तु आप अपनी ऊंगली को वैसे ही हरकत करनी चालू रक्खें।

तेजाब वाला गिलास धुएं से भर जाएगा और सिगरेट के धुयें वाला गिलास धुयें से खाली हो जाएगा। दर्शक यह समझेंगे कि यह सब आपके जादू की करामात है और वह आश्चर्यान्वित रह जायेंगे।

दो दीपक आपस में लड़े

आप दो दीपक लेकर उनमें से एक में भेड़िये की चर्बी और दूसरे में बकरी की चर्बी डालकर दोनों में रामबान की रुई की बत्तियां डालकर दोनों दीपकों को जला दो और ऊपर से उसमें तेल गेर दो फिर एक

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दीपक का मुंह दक्षिण में और दूसरे का मुंह उत्तर की ओर कर दो जिससे दोनों दीपकों का मुंह एक दूसरे की तरफ हो जाए इससे दोनों दीपकों में लड़ाई होगी अगर आप एक बत्ती को कम करोगे तो दूसरी तेज हो जाएगी जिस समय इन दीपकों को बुझाना हो तो एक साथ बुझाइए।

अन्धेरे में सब कुछ दिखना

आप किसी उल्लू को मारकर उसका सिर एक कपड़े में लपेट लो और घृत में उसे भिगो कर उसमें आग लगा दो और ऊपर से उसके ऊपर कच्ची मिट्टी की प्याली ढक दो फिर जब उस प्याली पर काजल उतर आए तो उस काजल को जो आंख में लगाएगा उसको अन्धेरे में भी दिखेगा।

रोगी का कष्ट दूर होए

आप ६ बरगद के पत्ते लेकर उन्हें सुखा लें फिर उसमें कपूर और रोली डालकर उसमें आग लगा दें जब उसकी राख बन जाए तो उसमें शमशान की मिट्टी मिला दो और रोगी के बाजू पर बांध दो।

सब काम सिद्ध हो

आप ६ बरगद के पत्तों को लेकर उनकी एक

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

टोपी बनाइए फिर उस टोपी को प्रतिदिन सुबह चार बजे से पांच बजे तक पहने ऐसा आप सात दिन तक करे फिर उस टोपी को आप गंगा के किनारे जलाकर उसकी राख बनाइए और उस राख को अपने पास रखिए तो आपके सब काम सिद्ध होते चले जाएंगे। यानी कठिन से कठिन कार्य सिद्ध होते चले जाएंगे। आप जिसे चाहते हैं वह चाहे कैसा पत्थर दिल हो अपने आप ही तुम्हारे पास चला आएगा। इससे भाग्यदोष, नौकरी, धन की प्राप्ति, मुकदमा, और लाटरी में जीत परीक्षा में सफलता मिलेगी।

भयंकर बिच्छु पैदा होवे

आप भैंस के गोबर में गदहे का मूत्र डाले और ऊपर से दही और चूड़ा गेर दें और उसे किसी गन्दे स्थान पर रख दें तो आठ दिन में ही बिच्छू तैयार हो जाएंगे।

आप पानी में डूबे नहीं

आप दो सर्पों के खून में किसी वस्त्र को भिगोकर धूप में रख कर सुखा लीजिए फिर उस कपड़े को दरिया में बिछा कर उस कपड़े के ऊपर कूदेंगे तो आप डूबेंगे नहीं।

चि० बं० जा०

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

खेत की रखवाली हो

रविवार के दिन मिट्टी का वर्तन लेकर उसमें दूध असगन्ध, पान, तुलसी के पात, घी, मिष्ठान आदि भर दे तथा वस्त्र से मुँह लपेट कर जिस खेत में गाढ़े, उस खेत में चोर कपाट टिड्डी हिरन आदि जंगली पशु न आवे तथा किसी प्रकार की हानि नहीं होती और उपज बढ़ती है।

बिना आग के ज्वार भूनना

सूअर के दूध में थोड़ी सी ज्वार भिगोकर छाया में सुखा कर रख लें और जब खेल दिखाना हो तब उसको धूप दिखाओ वह खिल उठेगी ऐसा मेरा पक्का विचार है।

रात में दिन के समान दीखे

घुग्घु सिक हरताल लें, मैंनसिल ले मिलाय।
करौंगिली अंग दे दृगन, दिन सम रात दिखाय॥

बन्दूक की गोली मुंह से छूना

मोम की एक गोली बनाओ उस पर लाल रंग लगा दो जिससे गोली सी नजर आवे जब तमाशा करना हो तो पहले से ही अपने साथी को शीशे की गोली दे तो

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

वह उस गोली को मुँह में रखकर तुम से तीन कदम पर जाकर खड़ा हो जावे। तुम जिस हाथ में वह मोम की गोली रखो दूसरे हाथ में वही शीशे की गोली रहे। अब तमाशा देखने वालों से कहो कि देखो हम सामने वाले आदमी पर गोली मारते हैं। इस तरह बातों में लगाकर शीशे की गोली छिपा लो तथा मोम की छोड़ दो और तुम्हारे साथी को चाहिए कि बन्दूक की फायर होते ही अपनी गोली दाँतों में दबा ले। यह देखकर सब लोग चकित होंगे।

लोहे का ताँबा बनाना

नीला थोथा पीसकर लोहे पर मल देय।
अपनी रंगत त्याग करके तांबा होय॥

घड़ी को गायब कर डबल रोटी से निकालना

दो घड़ी एक ही सूरत की लो। अब जिनमें एक घड़ी आठवें नम्बर के खाल के सन्दूक से गायब करो और दूसरी घड़ी में बीसवें नम्बर खाल की तस्वीर घड़ी को डबल रोटी से निकाल तमाशा देखने वालों को दिखा दो।

छाले पर गिलाफ चढ़ाना

इस खेल में भी ऊपर का नल जरूरी है और नल

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

के एक खाने में गिलाफ चढ़ा छाता छिपा रखे और जब खेल करना हो तो एक बिना गिलाफ का छाता व तान का कपड़ा लेकर नल के दूसरे खाने पर रख दो वह थौड़ी देर बाद बन्दूक का फायर करके फौरन पहले खाने वाले का नाम दो तो देखने वाले गिलाफ चढ़ा देखकर अचरज करेंगे ।

ताश के पत्ते का दौड़ना

पहले तुम काले रंग का सूत लो और उसका एक छोर ताश के कौने पर बांध कर मेज पर रख दो दूसरा सूत का डोरा बांधकर अपने साथी को दे दो और कह दो कि कहने पर ताश को खींचे । अब तमाशा देखने वालों से कहो कि देखो ताश का पत्ता मेरे पास आता है इस तरह बातों में लगाकर इस प्रकार खड़े हो जाओ कि ताश खींचती दफा तुम्हारे हाथ में आ जावे इसके बाद ताश की तरफ देखकर वन टू थिरी की आवाज दो तो इस पर ताश खींचेगा तुमको चाहिए कि ताश को बीच में ही पकड़ लो यह खेल तमाशा देखने वाले ताज्जुब में रह जायेंगे

जूयें भगाने की विधि

श्याम धतूरे का रस ले लो । उसमें हड़ताल कर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

लो वस्त्र एक बीच भिगोलो सोते समय शीश पर धर लो तीन पहर में देखो भाई । जुयें एक रहने की नाहीं।

कुएँ की डाली अंगूठी का कबूतर में से निकालना जो कि बोतल से पैदा हुआ हो

एक ही तरह की दो अंगूठी लो इनमें से एक अंगूठी को कबूतर के गले में बांध दो और काली शीशी काट कर उसमें बन्द कर दो तथा उसका मुंह सरेश आदि से बन्द कर दीजिए । जब खेल दिखाना हो तब उसी बोतल को मेज़ पर रख दो फिर दूसरी अंगूठी किसी आदमी को देकर कहो कि इसको कुएं में डाल आवे । अब ऐसी बातें करो कि यार सचमुच डाल आये भला अब कैसे निकलेगी । खैर देखो परिश्रम करता हूँ शायद वापस आ जाय यह कह कर बोतल तोड़ कर कबूतर निकाल दो कबूतर के गले में अंगूठी को देख कर लोग ताज्जुब करेंगे ।

नीम मीठा करने की विधि

अजवान को खायकर, पीछे नीम चबाय ।
फिर कड़वा लगे नहीं, यह है सहज उपाय ।।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

लकड़ी के छेद भरने का मसाला

जापानी तीसी का गरम तेल और तारपीन बराबर लेकर आधा स्टार्च मिला दो और स्पंज या ऊन लगाकर छेद बन्द कर दो अगर उस पर अखरोट की वारिस करो तो थोड़ा सा अब्बर मिला लें।

हाथी दांत या कप जोड़ने का मसाला

मछली का सरेश एक भाग व्याइट उल्लू दो भाग इन दोनों को पीस गुनगुने पानी में गला लें और छान कर आग पर चढ़ा दो जब छः भाग रह जाये तब तीसवाँ भाग गनास्मिक आधा भाग अल्कोहल और एक भाग व्याईट अब्रक मिलाकर उसमें शीतल करे, जब काम में लेना चाहो तब थोड़ा गरम पानी करके जोड़ दो।

पिस्सुओं को मारना

रात के समय एक बड़े चौड़े बर्तन में पानी भर कर उसमें दो बूंद सरसों का तेल डालकर १ बूंद मिट्टी का तेल डाल दो फिर अपनी खाट के नीचे उस पानी से भरे बर्तन को रख दो सुबह बहुत पिस्सू उस पानी में मरे हुए मिलेंगे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

लड़के लड़कियों की गणना करना

अगर कोई मनुष्य पूछे कि मेरे कितने लड़के और कितनी लड़कियां हैं तो उससे कहो जितने तुम्हारे लड़के हैं उनका दुगुना करके पाँच से गुणा कर दो और गुणनफल में जितनी लड़कियाँ हैं उनको जोड़ दो जब वह ऐसा कर चुके तो तुम उससे जोड़ा हुआ अंक पूछ लो जो कोई इकाई की ओर का अंक है उतनी ही लड़कियां हैं और जो दहाई की ओर का अंक है उतने लड़के हैं, बस बता दो ।

मच्छर भगाने की विधि

जा दिन मच्छ रात में अधिक दुःख देय आय ।
तेल लौंग का खाट पर छिड़कत जाय पलाय ।।

दूध की पहचान

मोजे बुनने की सुई की नोंक दूध के बर्तन में डुबा दो जो निखालिस दूध होगा तो उसकी बूंद सुई की नोक से लिपटी रहेगी अगर जरा भी पानी होगा तो बूंद ढलक पड़ेगी ।

मकान की दुर्गन्ध दूर करना

जिस मकान में दुर्गन्ध भर गई हो उसके किवाड़

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

एक दम खोल दो फिर एक लोहे के बर्तन को खूब गरम करके उस पर एक बूंद सिरके की डाल दो शीघ्र ही उस मकान की दुर्गन्ध दूर हो जाएगी।

बहरापन दूर करना

काढ़ा कर दसशूल को लेवे तेल पकाय।
डारत ही यह कान में, बहरापन सब जाय॥

दूसरी विधि

ओंगा की जड़ लेय मंगाय, तामें मैंनसिल देय मिलाय।
शहद संग जो बहरा खाय, सुनने लगे बहरापन जाय॥

आंख की रोशनी बढ़ाना

सुन्दर वर्षा ऋतु जब होय, लाय धरे जड़ सहित मकोय।
ताहि तेल में पकाय, एक मास नित प्रति यह खाय॥
बाँकी नजर हो ऐसी, होय गिद्धि की दृष्टि जैसी।

स्त्री बांझ बनाना

जे नारी धर्म से, चौथे दिन शुद्ध होय।
पाँच दिवस जड़ पान की, घोट दीजिए तोय॥

स्त्री का रजोधर्म शुद्ध होने की विधि

तन्दुल दूध समान ले पीस पकावे ताय।
कामनील अनुसार निज पिये रजस्वला होय॥

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दूसरी विधि

बीट कबूतर शहद संग, जो नारी पी लेय।
हो रजस्वला शीघ्र ही, बहुत रुधिर थम जाय ॥

स्त्री का बहता रक्त थामना

सरसों की जड़ पीसिये, तन्दुर वारि मिलाय।
कर्ष मात्रा के पीवत ही बहत रुधिर थम जाय ॥

दूसरी विधि

लाल वजर अरु घृत मिश्री सहित पिलाय।
पिये रुधिर जम जायगा है यह सहज उपाय ॥

दाँत के कीड़े दूर करना

हरड़ा चूर्ण पिलाय के तम तमू छिव भर भुजवाय।
गुटका दबा दांत तर दाबे कीड़ा मर जाय ॥

वाणी सुधार

पीपल सोंठ बहेड़ा लाय बच अरु सेंधा नमक मिलाय।
गो मूत्र संग पीस पिलावे किन्नर संग सभा में गावे।

दूसरी विधि

मिश्री सोंठ अरु शहद मिलाय दिन में तीन बार जो खाय
किन्नरस्वर सम गावन लागे कंठ कोकिल होई सम जाये

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

तीसरी विधि

निरगुण्डी को कर चूर्ण तिल तेल बनावे।
चाटे आही अनोखी औषधि कोकिला सम सो गावे ॥

राशि व नक्षत्र देखने की विधि

आपके नाम का प्रथम अक्षर जिस राशि में है।
आपकी राशि है तथा जिस चरण में हो वह नक्षत्र है॥

मेष

अश्विनी के चार चरण, चूं, चे, चों, ला.
भरणी के चार चरण, लीं, लु, लू, लो,
कृति का एक चरण, आ,

वृष

कृतिका के पिछले तीन चरण ई, ई, ऊ,
रोहिणी के चार चरण: ओ, आ, बी, बू.
मगसिरा के अगले दो चरण वे, वो,

मिथुन

मृगशिरः के पिछले २ चरण का, की,
आर्द्रा के चार चरण कू, ध, ङ, छ
पुनर्वसु के तीन चरण, के, की, हा

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कर्क

पुनर्वसु का एक चरण ही
पुष्य के चार चरण, हू, हे, हो डा
अश्लेषा के चार चरण, डी, डू, डे, डो

सिंह

मघा के चार चरण, मा, मी, मू, मे
पूर्वाफाल्गुनी के ४ चरण, मों, टा टी, टू
उत्तरा फाल्गुनी का एक चरण, टे

कन्या

उत्तरा फाल्गुनी के तीन चरण, टो, पी, पा
हस्त के चार चरण पू, ष, ण, ठ
चित्रा के दो चरण पे, पा

तुला

चित्रा के दो चरण रा, री
स्वाति के चार चरण रे, रो, ता
विशाखा के तीन चरण ती, तू, ते

वृश्चिक

विशाखा का एक चरण, तो
अनुराधा के चार चरण ना, नी, न, ने
ज्येष्ठा के चार चरण नो, या, यी, यू,

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

धन

जल के चार चरण ये, या, भा, भी
पूर्वाषाढ़ के चार चरण भू, धा, फा, डा
उत्तराषाढ़ का एक चरण भे

मकर

उत्तरा षाढ़ के तीन चरण सो, जा, जी
श्रवण के चार चरण खी, खु, खे, खो
धनिष्ठा के दो चरण, गा, गी

कुम्भ

धनिष्ठा के दो चरण गू, गे
शरिष्ठ के तीन चरण गो, सा, सी,
पूर्वाभाद्रापदा के तीन चरण से, सो, द

मीन

पूर्वाभाद्रपदा का एक चरण दो
उत्तराभाद्रपदा के तीन चरण दू, थ, झ,
रेवती के चार चरण दे, दो, चा, ची

घर में मक्खी न आवें

नरमिश की जड़ अकरकरा गन्धक लाय जल में मिलाकर घर में छिड़क दो तो मक्खी नहीं रहेंगी।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

घर के अन्दर सर्प फिर न आये

यदि सर्पों का निवास आपके घर के अन्दर है और वह भगाने से जाते भी नहीं है तो आप सह की चर्बी के अन्दर प्याज मिलाए फिर उसमें गुगल की धुनी देकर उसे अपने घर में रख देवे तो दो दिन के अन्दर में ही सर्प भाग जायेंगे और फिर कभी भी उस घर के अन्दर सर्प नहीं आएंगे।

किसी को खुश करने की तरकीब

अगर कोई व्यक्ति बहुत विरोधी हो या कोई मित्र बिगड़ गया हो या किसी अफसर के साथ मेल मिलाप पैदा करना हो तो मगलवार के दिन सात पिपल के पत्ते लेकर जो रुठ गया हो उन पत्तों में उसका नाम लिखकर नदी के किनारे उन पत्तों को दक्षिण में दबा फिर सात दिन के बाद उन पत्तों को निकालकर उस का रोली और धूप और लौंग से पूजन करे फिर उन पत्तों कों अपने पास रखले आप का रूठा हुआ दोस्त या अफसर एक या दो दिन में ठीक हो जाएगा।

सभा मख स्तम्भन मन्त्र

ॐ ह्रीं रक्ष २ चामुण्डे अमुके मुख स्तम्भन कुरु

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

२ स्वाहा ।

प्रथम लाख बार मन्त्र सिद्ध करे फिर पुष्प नक्षत्र रविवार में ज्येठी मधु (मुलहठी) की जड़ तीन बार मन्त्र पढ़कर सभा में फेंके तो सब व्यक्तियों का मुख स्तम्भित होय् ।

अन्य-ॐ नमो ह्लीं बगुलामुखी सर्वदुष्टानां ॐ स्वाहा ।

प्रथम एकतालिस दिन सवालाख मन्त्र विधि पूर्वक षोड़सो प्रकार जपे फिर थाल में घृत भर हल्दी से षट्कोण यन्त्र बनाकर छवो कोण में ॐ लिख सामने धरे फिर दशांश होम कराय ब्राह्मण भोजन करावे तो सिद्ध होय । यह मन्त्र शत्रु की बोलती (जुबान) बन्द करने का अद्वितीय मन्त्र है । हाकिम आदि कोई गाली देवे तो सात बार पढ़कर फूंक दे मुख स्तम्भन हो जाय ।

सर्प विष दूरी करण मन्त्र

ॐ तक हानि उदर महानी वासुन्धरी विश्वकू हाला हालोना प्याहित ठः ठः ।

इस मन्त्र को पढ़कर गोधूमा की जड़ जलमें पीस पिलावे विष दूर होय ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

इसके आगे हम रामसार, मन्त्र कृष्ण सार, मनसा सार, मथन सार, गोपिन सार मन्त्र को लिखता हूँ जो कि सर्प काटे रोगी को झारने के लिये अद्वितीय माने जाते हैं और बड़े २ ओझा गुनी इन मन्त्रों के प्रयोग से भयङ्कर विषधर सर्पों के विष को दूर करते हैं।

अग्नि स्तंभन मन्त्र तन्त्र

ॐ महिष मर्दनी लह लह कठ कठ स्तम्भन २ अग्नि स्वाहा।

इस मन्त्र से १०८ बार खैर काष्ठ मन्त्रित कर अग्नि में देकर जलाय तो शरीर जलने का भय नहीं रहता।

अन्य—ॐ नमः अग्निरुपाय मे देहि स्तम्भय कुरु २ स्वाहा।

मेढ़क की चर्बी और घी कुंवार को १०८ बार मन्त्र पढ़ लेप करे तो शरीर न जले।

ग्लास में धूआं पैदा करना

इस खेल का गुप्त भेद यह है कि दो शीशे के गिलास लो। एक में नमक का तेजाब लो और दूसरे

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

२ स्वाहा ।

प्रथम लाख बार मन्त्र सिद्ध करे फिर पुष्प नक्षत्र रविवार में ज्येठी मधु (मुलहठी) की जड़ तीन बार मन्त्र पढ़कर सभा में फेंके तो सब व्यक्तियों का मुख स्तम्भित होय् ।

अन्य--ॐ नमो ह्लीं बगुलामुखी सर्वदुष्टानां ॐ स्वाहा ।

प्रथम एकतालिस दिन सवालाख मन्त्र विधि पूर्वक षोड़सो प्रकार जपे फिर थाल में घृत भर हल्दी से षट्कोण यन्त्र बनाकर छवो कोण में ॐ लिख सामने धरे फिर दशांश होम कराय ब्राह्मण भोजन करावे तो सिद्ध होय । यह मन्त्र शत्रु की बोलती (जुबान) बन्द करने का अद्वितीय मन्त्र है । हाकिम आदि कोई गाली देवे तो सात बार पढ़कर फूंक दे मुख स्तम्भन हो जाय ।

सर्प विष दूरी करण मन्त्र

ॐ तक हानि उदर महानी वासुन्धरी विश्वकू हाला हालोना प्याहित ठः ठः ।

इस मन्त्र को पढ़कर गोधूमा की जड़ जलमें पीस पिलावे विष दूर होय ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

इसके आगे हम रामसार, मन्त्र कृष्ण सार, मनसा सार, मथन सार, गोपिन सार मन्त्र को लिखता हूँ जो कि सर्प काटे रोगी को झारने के लिये अद्वितीय माने जाते हैं और बड़े २ ओझा गुनी इन मन्त्रों के प्रयोग से भयङ्कर बिषधर सर्पों के विष को दूर करते हैं।

अग्नि स्तंभन मन्त्र तन्त्र

ॐ महिष मर्दनी लह लह कठ कठ स्तम्भन २ अग्नि स्वाहा।

इस मन्त्र से १०८ बार खैर काष्ठ मन्त्रित कर अग्नि में देकर जलाय तो शरीर जलने का भय नहीं रहता।

मन्त्र—ॐ नमः अग्निरुपाय मे देहि स्तम्भय कुरु २ स्वाहा।

मेढ़क की चर्बी और घी कुंवार को १०८ बार मन्त्र पढ़ लेप करे तो शरीर न जले।

ग्लास में धूआं पैदा करना

इस खेल का गुप्त भेद यह है कि दो शीशे के गिलास लो। एक में नमक का तेजाब लो और दूसरे

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

में शोरे का तेजाब फिर दोनों गिलासों को छाया में रखकर सुखालो। फिर जब एक गिलास के मुँह पर दुसरे गिलास का मुँह लगाकर एक के ऊपर दुसरा ग्लास रखा जायेगा तो दोनों ग्लासों में धुँआ भर जायेगा। दर्शक यही समझेंगे कि जादू से सिगरेट का धूँआ ग्लासों में भर गया।

अथ उच्चाटन मन्त्र

ॐ नमः भगवते रुद्राय दृद्रर्षकारालय अमुक सपुत्र सपुत्र बांधवैः सह हन दह दह पच पच शीघ्र उच्चा-टन २ हुं फट् स्वाहा ठं ठः

मनुष्य की हड्डी या गूलर काष्ठ की चार अंगुल प्रमाण कील बनाय एक सौ आठ बार मन्त्र पढ़कर शत्रु के द्वार पर गाड़े तो अवश्य उच्चाटन होय। इस मन्त्र को कोई २ ऐसे प्रयोग करते हैं कि सफेद सरसों और शिव निर्मालिय पोटली बनाके गाड़ते हैं फिर उखाड़ने पर सुखी होती है मन्त्र दस हजार बार जप कर पहले सिद्ध करले।

अन्य—ॐ नमो मोमास्थाय अमुकस्य गृहे उच्चाटन कुरु कुरु स्वाहा।

प्रथम २००० बार जप कर सिद्ध करे,

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

सोमवार को दोपहर समय गदहा लोटता हुआ देखे तो जाय, उत्तर मुख होय बायें हाथ से धूल लाकर २१ बार मन्त्र पढ़कर शत्रु के घर में फेंके तो उच्चाटन होता है।

आधा शीशी का मन्त्र

ॐ नमो: वन में स्यानी बानरी उछल वृक्ष पर जाए।
कूदि कूदि शाखान पर काचा बन फल खाए।
आधा तोड़े आधा फोड़े आधा दियो गिराय ॥
हुँकार हनुमान जी की आधा शीशी जाय।

विधि

धरती पर चाकू से रेखा सात सीधी और सात आड़ो उन पर काटता जाए और मन्त्र पढ़ता जाए सात बार ऐसा करने से आधा शीशी का दर्द जाता रहेगा।

अलप अन्जन

बन्दर और मोर की हड्डी को भैंस के घी में पकाले और उसको घिसकर अंजन करे तो दूसरे को न दीखें।

बहुत खाय तो भी पेट न भरे

गिरगिट का हाड़ लाकर सिखा में बांधे, फिर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

चाहे कितना भोजन क्यों न करें पेट भरने में न आयेगा।

रात में सूर्य देखना

शोरे का नमक ६ भाग गन्धक दो भाग सुरमा दो भाग इन सबको जुदा २ पीस कर फैला दो और एक सिरे से दियासलाई लगा दो फिर भगवान की लीला देखो रात में सूर्य के प्रकाश सदृश रोशनी होगी।

नजर दूर करने का मन्त्र

ओं नमो सत्यनाम आदेश गुरु का ओं नजर जहाँ पर पीर न जानी बोले छलसो अमृत दानी। कहे नजर कहाँ से आई यहाँ की ठौर ताहि कौन बताई। कौन जाति तेरी कहाँ ठाम किस की बेटी कहा तेरा नाम। कहा से उड़ी कहाँ को जाई, अब ही बस करले तेरी माया। तेरी जात सुनो चितलाय जैसी होम सुनाऊँ आय। तेलिन, तमोलिन, चूड़ी, चमारी, कायस्थनी, खतरानी, कुम्हारी, महतरानी, राजा की रानी। जाको दोष ताहि के सिर पड़े जहार पीर नजर सों रखा करे मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुरो मन्त्र ईश्वरो वाच।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

विधि

मोर पँख से बालक के सिर से पैर तक झाड़ा दे और मन्त्र पढ़ता रहे ।

पशु हितकारी मन्त्र

ओं नमो बेली देहली बांधि दहलाय राम सारी सदकी पशु स्वस्थ हो जाय ।

विधि

गोशाला के द्वार पर बैठ कर प्रतिदिन मन्त्र पढ़े तो पशु स्वस्थ हो जाय ।

नटी यक्षिणी साधन मन्त्र

ओं ह्रीं नटि महा नटि स्वरूपवति स्वाहा ।

कार्तिक की पूर्णिमा को शीशम के पेड़ के नीचे जाकर उस विधि से करे कि एक सुन्दर मन्डल चन्दन का तैयार करे और एक मूर्ति नटियक्षिणी बना कर उसमें बिठावे और धूप दीप इत्यादि से पूजन करे और इस मूर्ति के सामने बैठ कर एक एक मास तक प्रतिदिन एक हजार इस मन्त्र का जाप करे और रात को इसी तरह पूजा करे । बाद में खाना खाए । और आधी को उठ कर जाप किया करे तो यक्षिणी खुश

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

होकर एक रस व सुरमा देती है। यह सुरमा हर एक रोग को दूर करता है।

ताश के पत्तों का एक ओर खेल

पहले हमने आपको ताश के पत्तों का वह खेल बताया था जिसमें बिना देखे ताश के पत्ते बताना सिखाया गया था। अब हम आपको एक और खेल सिखाने जा रहे हैं। यह खेल भी उतना ही आश्चर्य-जनक है जितना कि पहले वाला खेल था। इस खेल में सबसे पहले बहुत चालाकी और हाथ की सफाई की आवश्यकता है।

अगर कोई साथी न भी मिले तो यह खेल अपनी होशियारी और चालाकी से शुरू किया जा सकता है। जब जादूगर इस खेल को शुरू करता है तो दर्शकों से कहता है कि देखिए साहेबान अब मैं आपको वो खेल दिखाने जा रहा हूँ। जिसे आप लोग देख कर दंग रह जाओगे।

फिर वह इतना कहते ही आठ कार्डों को दर्शकों की ओर कहते हुए कहता है यह आठ कार्ड हैं इन्हें आप लोग एक-२ बटा लो। फिर वह एक-२

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

करके सब पत्ते बांट देता है। और फिर उनसे कहता है अब आप सब लोग अपने २ पत्तों का नाम बताए जिससे मैं आप लोगों के पत्तों के नाम इस कागज पर लिख लूं। फिर एक-२ करके सब कार्डों वाले व्यक्तियों से उनके कार्ड का नाम पुछ लो आपका चिड़ी का छक्का। और आपका क्या है पांन का अट्ठा।

ठीक आपका पान का अट्ठा।

और आपका साहेबान।

हुक्म का नहला।

बहुत अच्छे।

और आपका।

पान का बादशाह।

ईंट का गुलाम।

इस तरह से आप आठो आदमीयों से उनके पत्तों के नाम पूछ लो। फिर आप उन नामों को एक कागज पर उतार लो ध्यान रहे इन कागजों के साईज छोटे-बढ़े न हों। इसके बाद दर्शकों से कहिए कि आइये! साहेबान कर्द्दान अब इन कार्डो को आप मुझे दे दीजिये ताकि मैं उनको गड्डी के अन्दर मिला

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दूं । देखिए आपने अपना-२ कार्डों का नाम बताया है मैंने किसी के पत्तों को नहीं देखा । अब आप इन पत्तों को लेकर ताश की गड्डी के अन्दर अच्छी तरह मिला दीजिए । फिर दर्शकों से आप कहिए की आप लोग अपने २ पत्तों का नाम अच्छी तरह याद कर लिजिए भूल न जाना । अब मेरे को एक हैट कि आवश्यकता है क्यों कोई साहेबान मेरे को अपना हैट देंगे । घबराना नहीं मैं उस हैट को लेकर नहीं चला जाऊँगा उस हैट को सही सलामत वापस कर दूंगा । लाईए ! घबराईये मत । धन्यवाद ।

फिर आप उस हैट को लेकर एक मेज पर रख ले और उन सारे कागजों की पर्चीयां बना कर उस हैट में डाल दे । फिर उस हैट को जोर से हिलाए जिससे वह पर्चियां आपस में मिल जाए । अब आप उस हैट को लेकर दर्शकों के पास जाईए और उनमें से किसी एक से कहिए कि आप उस हैट में से एक पर्ची उठा ले और उस पर्ची को न अभी खोलकर खुद देखे और न किसी को देखने दे ।

और न ही अब मेरे को पता है कि इस समय आपके पास कौन सी पर्ची है । बस अब इस हैट

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

में सात पर्ची रह गई जिनमें मैं अभी आग लगा देता हूँ और यह कहते ही एक २ करके सारी पर्ची में आग लगा दीजिए। और फिर दर्शकों से कहिए कि तो अब साहेबानों आप सब को अपना-२ पत्ता याद है न परन्तु अब रखने का फायदा भी नहीं है क्यों कि मैंने सारी पर्ची जला दी हैं और एक ही पर्ची अब बची है। लीजिए मैंने अभी तक उस पर्ची को नहीं देखा है लेकिन मैं अभी उस पर्ची पर लिखे पत्ते का नाम बताता हूँ :

और फिर आप किसी एक को बुलाते हुए कहिए कि आइए। आपके हाथों पर तो वह पत्ता मौजूद है। इसके पश्चात आप उन पर्ची की राख ले जिन्हें आप ने जला दिया था। आप उस राख को लेकर उस दर्शक के हाथ पर मलने लगे जो आपके पास आया था फिर निशान उभरने लगता है।

दर्शन हैरान होकर देखने लगते हैं। हाँ महाशय अब आप बताईए कि आपके कागज के टूकड़े पर क्या लिखा है। क्या फरमाया पान का बादशाह। लीजिए, इन महाशय के हाथ पर भी पान का बादशाह लिखा है। आप का खेल देखकर सब लोग

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

चकित रह जाते हैं ।

सब लोग उस दर्शक के हाथ पर देखते हैं कि उसके हाथ पर लिखा है कि "पान का बादशाह" और दर्शक आपके खेल देखकर खुशी से तालियाँ बजा उठते हैं ।

इस तमाशे का रहस्य यह है कि जादूगर अपने साथी के पहुँचने पर खेल आरम्भ करने से पहले उसके हाथ पर साबुन से लिख देता है । पान का बादशाह यह अक्षर उस समय उभरते हैं जब जादूगर उसके हाथों पर राख मलता है । जादूगर का साथी दर्शकों में जाकर बैठ जाता है और जादूगर उसे बुलाकर उसके हाथों पर राख मलके हाथ पर निशान उभार देता है ।

और दर्शकों को किसी प्रकार का शक भी नहीं होता । जादूगर दर्शकों को आठ पत्ते बांटता है उसमे पान का बादशाह अवश्य होता है । जब वह दर्शकों से कहता है कि आप सब लोग अपने-२ पत्तों का नाम बताओ जिससे मैं इन्हें पर्चियों पर लिख लूं वह लिखते वक्त पर्चियों पर सिर्फ "पान का बादशाह लिखता है जब वह पर्चीयों पर पान का बादशाह

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

लिखता है उस समय उसके आस-पास कोई भी दर्शक नहीं होता और वो इस प्रकार से लिखता है कि कोई उसके हाथों को नहीं पहचान सकता कि वह क्या लिख रहा है। जब दर्शक एक-एक करके पत्तों का नाम बताते हैं। तो दर्शक यही समझते हैं कि वह अलग-२ नाम पर्चीयों पर लिख रहा है।

लेकिन नहीं वह तो सिर्फ एक नाम लिख रहा होता है और वह नाम है। "पान का बादशाह"। इस राज को गुप्त रखने की अधिक आवश्यकता होती है। अब एक सवाल और उठाता है कि जादूगर केवल आठ पत्ते ही क्यों दिखाने के लिए अधिक या कम संख्या के पत्ते भी तो दिखाये जा सकते हैं। इसका यह कारण है कि अधिक संख्या रखने से भूल हो सकती है जिससे दर्शक उकताने लगेंगे और आपके खेल में मजा नहीं आएगा।

अगर आप आठ पत्तों के स्थान पर छः या सात आदमियों को पत्ते दिखाये तो कम पत्तों में खेल दिखाते वक्त खेल का राज खुलने का भय रहता है। आठ संख्या ऐसी है कि न कम है न ज्यादा है। और अब दूसरी सवाल आता है कि पान के बादशाह के

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

स्थान पर आप कोई और नाम नहीं ले सकते अजी हजूर जो चाहे वो नाम ले सकते हैं लेकिन पर्चीयां और आपके साथी के हाथ पर एक ही नाम लिखा होना चाहिए ।

नींबू का विचित्र नाच

कागजी नींबू लेकर उसकी फाँक करो और उसमें पारा भर कर फिर ज्यों का त्यों बांध दो तब नींबू उछल कूद कर नाचने लगेगा ।

आग का खुद ब खुद जलना

पत्थर का चूना लेकर फासफोरस उसमें मिला लो और कपड़े से ढाँप कर पीतल के बरतन में रख दो और उस पर कुछ यों ही मन्त्र पढ़कर पानी क छींटा मारो फोरन आग जल उठेगी और तमाशगी को बड़ा ताज्जुब होगा ।

मसाले के हरूफ

गन्धक को खड़िया मिट्टी के साथ पीस पानी में गोल दीवार पर हरूफ या और कोई ची फल या पेड़ या पुतली बनाकर रात के वक्त के सिर पर दियासलाई जलाकर लगा दो तो जो लिखे

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

होंगे जलने लगेगा और बहुत ही खूबसूरत मालूम होगा देखने वाले चकित होंगे।

लिखे हरूफ छुड़ाना

नौसादर, सोहागा, संखिया तीनों बराबर लेकर लिखे हरूफ पर मले तो हरूफ उड़ जायेंगे पर जरा धूप दिखा लो।

मनुष्य सर्प होवे

एक सांप को मारकर उसके मुँह में बिनौला बो दें। जब कपास का पेड़ उग आए कपास उत्पन्न हो तो उसे भली भाँति ओटवावें और रूई बिनौलों को अलग करवाकर रूई को धुनवा लें और उसकी बत्ती बनाकर दीपक में जलाए जब कोई आदमी उसके उजाले में जाएगा अन्य लोगों को सांप दिखाई देगा। यदि उस बिनौले को कोई अपने मुख में रक्खेगा तो और की दृष्टि से सांप दिखाई देगा मनुष्य नहीं।

गले में छुरी लगाना

यह छुरी इस प्रकार से बनाई जाती है कि उसके बीच में एक गोल खम्बदार लोहा होता है जो कि गले में बराबर आ जाता है। जब आप तमाशा करो

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

तो कपड़े की आड़ में छुरी को गले में लगाओ और किसी चीज से छुरी का खम छिपाओ।

जीभ पर छुरी मारना

यह छुरी भी खमदार होती है लेकिन इसका खम इतना छोटा होना चाहिए कि जिसमें जीभ आ जावे फिर परदा करके जीभ में खम पहरा लो छुरी जीभ के आर-पार मालूम होगी।

आग नहीं जले

बेंत की जड़ और घोडे का नाखून यह दोनों बराबर लेकर पीस लो और भाड़ भट्टी या चूल्हा जला दो उसमें धुआं बहुत होगा मगर आग नहीं जलेगी।

पानी से भरें हुए गिलास से रुपया गायब

इस खेल को जादूगर इस प्रकार दिखलाते हैं कि दर्शकों में से किसी दर्शक से वे एक रुपया माँगते हैं। अब दूसरे किसी अन्य दर्शक से रुमाल। और दोनों चीजों को लेकर एक दर्शक को अपने पास बुलाते हैं।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

और एक काँच का गिलास देकर उसमें मुँह तक जल
भरने को कहते हैं। जब गिलास ऊपर तक साफ
पानी से भर लिया गया तो उस रूमाल और रुपये
को वे उस दर्शक को पानी का वह गिलास बांए हाथ
में देकर सब के सामने उस रुपये को रुमाल में लपेट
कर उस गिलास के ऊपर ढांप देते हैं और उसी प्रकार
रुमाल से ढका यह रुमाल भी उसे तमाशाई के दाहिने
हाथ में दे दिया जाता है। अब वे अपने जादू का
डंडा तीन बार उस गिलास और रुमाल के चारों
ओर घुमाते हैं और आज्ञा देते हैं कि चुटकी ढीली
करके रुपये को गिलास में छोड़ दे। रुपया गिलास में
छोड़ दिया जाता है परन्तु ज्यों ही रुमाल को परदा
हटाकर देखा जाता है गिलास में ही कहीं रुपये की
झलक नहीं आती बल्कि साफ पानी में स्पष्ट रूप से
गिलास की तली दिखलाई देती है। लोग बड़े विस्म-
यान्वित होते हैं कि जब रुपया तमाशाई के हाथ से
गिलास में छोड़ा गया है तो आखिर कौन से मार्ग से
अन्तर हो गया। और इधर-उधर की कुछ बातें
करने के पश्चात सहसा ही वह रुपया एक लड़के की
जेब से बरामद करता है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

तरकीब

सुनिये ! वस्तुतः इसमें रहस्य यह है कि पानी में भरे गिलास में वह रुपया नहीं डाला जाता बल्कि उसके स्थान पर सफाई से कोई दूसरी सफेद चीज डाली जाती है वह चीज होती है कांच का एक गोल टुकड़ा । यदि आपको खेल करना है तो एक कांच का गिलास लाइये और उस गिलास के अनुसार बिल्कुल गोल रुपए के बराबर मोटा और गोलाई में भी बराबर ही कटवा लीजिए ध्यान रहे बाजार से गिलास ऐसा ही खरीदो जिसकी पेंदी में रुपये के पास का टुकड़ा फिट बैठता हो । बस काम यह है कि रुपये को रुमाल में ढकते समय रुपये को हाथ की सफाई से हथेलीमें छिपाइये और वह कांच का टुकड़ा रुमाल में ढक दीजिए जो पहले से हथेली या दूसरे डंडे वाले हाथ में छिपा रहना चाहिए । इस प्रकार उस रुमाल के नकली रुपए को केवल दो ही अंगुलियों में पकड़े हुए अर्थात अंगूठे और उसके समीप वाली अंगुली से । पूरे हाथ से रुपया पकड़ने में तमाशाई को उसकी चिकनाहट का अनुभव करके सन्देह हो जाता है । परन्तु केवल अंगूठे और अंगुली से पकड़ने में यह भय नहीं रहता बस झूंठ-मूंठ का जा

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

का डंडा फेरिए या कुछ और क्रिया कीजिए जिससे लोग अत्यन्त आकर्षित हों और तमाशाई को आज्ञा दीजिए कि धीरे से रुपया वह गिलास में छोड़ दे। वह उस नकली रुपए को छोड़ देगा। जो तुरन्त गिलास की पेंदी में फिट हो जाएगा और पानी भरा होने के कारण चाहे जितना भी देखने से यह पता न लग सकेगा कि इसमें कोई और भी चीज पड़ी है। रुमाल अलग करिए और दिखा दीजिए-कि साहिब। आपका रुपया गायब है, नहीं मालूम किसने चुरा डाला लोग आश्चर्य करेंगे बस एक दो चक्कर गिलास को दिखाते जाइये और गिलास को मेज पर रख कर या साथी को देकर रुपए को किसी की पाकिट में जमा कर दीजिए। इसके लिए रुपए को हथेली में छिपाकर सफाई से जेब का निकालने वाला मोशन दिखा दीजिए। लोग समझेंगे जेब से बरामद हुआ है।

तमोली का पान नष्ट हो

शतभिषा नक्षत्र में काष्ट सुपारी लाय।
नव अंगुल परमाण का सुन्दर कील बनाय॥
तम्बोली घर डालिए पान अवश्य गल जाय।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

भूतों से बात करने की तरकीब

आप सात बरगद के पेड़ों के पत्तों की टोपी बनाकर पहनो और उसे पहनकर श्मशान भूमि में पहुंच जाओ। श्मशान भूमि में पहुंचकर आप चिताओं पर कूदो उनकी भस्म अपने शरीर पर लगाओ। अपने मुंह से डरावनी आवाजें निकालो। ऐसा आप चालिस दिन तक करे आपकी बात भूतों से हो जाएगी लेकिन ध्यान रहे ऐसा करते समय तुम्हें कोई देखे नहीं तुम्हारे पास कोई आग जलाने की या लाईट जलाने वाली चीज न हो। और ऐसा सब करते समय तुम्हारे पास किसी भी बिल्ली की हड्डी होनी चाहिए।

पेट के रोगों का इलाज

कब्ज समस्त उदर रोगों की जड़ है। युनानी हकीम उसे बीमारियों की मां कहते है। और यह बात सोलह आने सत्य भी है। इसके लिए आपको अपने रोगी को उसके अनुकूल भावना देकर उसको यह विश्वास दिला दीजिए कि उसको न तो कब्ज है और न ही उससे सम्बन्धित कोई विकार है बस रोगी के

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दिल और दिमाग में यह बात जब बैठेगी तो न तो कब्ज नाम की कोई चीज रहेगी और न ही उससे सम्बन्धित अन्य विकार।

भूत उतारने की विधि

भूत प्रेत जिन बहुत सी वस्तुओं से प्रीति रखते हैं जैसे कि स्थान, वस्त्र, मांस, मद्य, खीर आदि। बहुत से रत्नगन्धा, यव, घृत, मधु के योगी होते हैं। पिशाच, भूत-मल-मूत्र, मद्य, मांस, भैंसा, बकरा, सुअर के बलिदान से प्रसन्न हो जाते हैं।

देव भूतों का उतारा उत्तर दिशा में रखा जाता है। दैत्य या भूतों का पश्चिम में चौराहे पर गन्धर्व का गो-मार्ग में, पितरों का नदी के किनारे, सर्व-भूतों का पूर्व दक्षिण में। यक्ष, किन्नर, भूतों का नदियों के संगम पर राक्षसों का चौराहे और श्मशान में रखा जाता है।

मृतक व्यक्ति से बातें करना

आप साफ सुथरे कपड़े पहन कर किसी भी आईने के सामने बैठ जाइए उस आईने पर मीठा तेल लगा कर उस आईने को एकटकी लगाकर देखते रहो।

चौ० बं० जा०

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

ठीक पन्द्रह मिनट के बाद लगातार देखने के बाद आपको उस आईने में एक दरवाजा खुलता हुआ दिखाई देगा उस दरवाजे में तरह-तरह के दृष्टिगोचर होंगे। आपको जो भी प्रश्न पूछने हों उसका उत्तर उस दरवाजे से मिलता रहेगा। बल्कि दूसरे व्यक्ति भी आपके द्वारा जो प्रश्न पूछेंगे उन प्रश्नों का उत्तर भी उन सब को मिल जाएगा।

मोतिया बिन्दु का अंजन

रोगी को मच्छर और भुनगे से उड़ते दिखाई देना दीपक की लौ, पहली और दूसरी तारीख का चांद एक की अपेक्षा कई दृष्टिगोचर हों तो समझ लें कि आंख के चौथे परदे से मोतिया का पानी उतर रहा है और वह दिन निकट आ रहा है जबकि उसकी दृष्टि बिल्कुल चली जाएगी तथा उनकी गणना अन्धों में होने लगी किन्तु इस रोग के आरम्भ में ही उचित चिकित्सा की जावे तो पानी का उतरना रुक जाता है यहाँ एक ऐसा ही योग अंकित किया जाता है जिससे उतरता हुआ पानी रुक जाता है और उतरा हुआ साफ हो जाता है बल्कि यहां तक लिखा हुआ मिलता है कि इससे असाध्य समझे जाने वाले

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

रोगी भी जिनका आपरेशन असफल रहा हो अर्थात काले मोतिया को भी किसी सीमा तक आराम हो जाता है ।

योग—अडूसा के ताजे पत्ते लेकर कुचल कर उनका रस निकाल लें और फिर उस रस को स्वच्छ मलमल के वस्त्र में छानकर न घिसने वाले खरल में डालकर घोटना आरम्भ करें यहां तक कि खरल करते-२ खुश्क हो जावे तब किसी स्वच्छ शीशी में सुरक्षित रखें प्रति दिन प्रातः सांय ईश्वर का नाम लेकर नेत्रों में लगाया करें निरन्तर लगाते रहने से आशातीत लाभ होगा । नेत्रों को धूल, मिट्टी, तेज प्रकाश से बचाना उचित है और अधिक गरम-मसालेदार चीजों से परहेज रखें ।

गुप्त लिखावट

यदि श्वेत कागज पर नारंगी के अर्क से लिखा जावे तो सूख जाने पर अक्षर नहीं दिखाई दे जब उसे अग्नि के सम्मुख किया जाएगा तो अति सुन्दर लाल रंग के अक्षर दिखाई देंगे । यह विधि प्रेम पत्र लिखने को तथा गुप्त लेखों के लिए गुणकारी है ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दूसरा भेद

पतंग का पत्ता स्वर्ण का पत्तर बज कारक सबको मिलाकर मसि अर्थात स्याही बना लो इससे लिखे हुए अक्षर दिन को कुछ भी नहीं दिखाई दीखें रात्रि को चन्द्रमा तथा हीरों की तरह चमकेंगे।

बल में कामदेव के समान हो जाए

रविवार के दिन पवित्रता पूर्वक भिन्डी (राम-तोरई) लाकर छाया में सुखा लें। जब वह सूख जाय तब उसमें असगंध मूसली गोखरू और भांग के बीज मिलाकर सबका चूर्ण बना लेना चाहिए बल वीर्य के बढ़ाने वाला यह चूर्ण स्तम्भन कारक होता है। इस चूर्ण को ।१। टंक सवेरे एक श्वेत वर्ण की गौ के दूध के साथ जो पीवे वह कामदेव के समान हो जाए।

कामदेव के से बल के चूर्ण

पीपल के फल को छाया में सुखा लेवें फिर उसका चूर्ण बना लेवे और दूध के साथ इसको पीवे तो अवश्य कामदेव के समान हो जाये।

एक पुष्टिकारक चूर्ण

शनिवार के दिन गिलोय की जड़ को निमन्त्रण

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दे आए और रविवार के दिन उसको लाकर छाया में सुखा ले फिर उसको कूटकर उसमें शक्कर मिलाकर उसका चूर्ण बना लेवे और प्रातः काल उस चूर्ण को थोड़ा सा खाकर ऊपर से गौ का दूध पी लिया करें। वह चूर्ण मनुष्यों के लिए बहुत पुष्टि कारक है।

सब मनुष्य बकरे दिखाई दें

कृष्ण पक्ष की चौदस को जिन्दा बकरे का सर लाकर उस में मरघट की राख डालें और काली मिट्टी डालकर उसमें धतूरे के बीज डाले और जब वह उगकर बड़े हो जाएं तब उस को तर रखना चाहिए ताकि वह सूख न जाए जब उस पेड़ पर फूल आ जाएं तो उन फूलों को सुखाकर पीस लेवें। इस दवा को जिसके सर पर डालोगे उसको सब बकरे दिखाई देंगे।

मिरगी का दौरा दूर हो

जिस समय किसी को मिरगी का दौरा पड़ जाय तो निम्नलिखित मन्त्र लिखकर उसके कण्ठ में बाँध देवें उसका कष्ट दूर हो जाएगा।

मन्त्र

हलचल सरगत मडिका पुड़िया श्रीराल फूकें मिरगो वायु सूखी ओं ठह। ठह। स्वाहा।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

शुक सिद्धि

उपवास रखकर निशीथ समय पर शुक-शुक बोधाय-२ स्वाहा यह मन्त्र एक हजार बार जपकर शुक पक्षी के स्वर समझने में सक्षम होते हैं और पक्षी के अनुग्रह से धन संचय होता है।

स्त्री के पेट से मरा बच्चा निकले

गाय का गोबर में पाव भर पानी मिलाकर उसे छान लें फिर स्त्री को पिलावें तो मरा हुआ बच्चा पैदा होगा।

अति आहार करणम्

शनिवार की संध्या को हाथ में विजया (भाँग) लेकर बहेड़े के पेड़ को निमन्त्रण दे आवे और यह विजया भी पोटली बांध वहां रख आवे। प्रातः समय हाथ में थोड़ा गुड़ मिलाय खा लेवे और उस वृक्ष का एक पत्ता तोड़ भोजन के समय पाँव के तले दबा रखे तो बहुत भोजन खावे।

यन्त्र

यदि किसी को भूत प्रेत ग्रहादि दोष हो तो इस विधि से निवारण किया जाता है। हरामस भाँग

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

मोम चूहे की मेंगनी यह सम भाग लेकर बकरी के पेशाब में सात दिन तक खरल करे फिर बारीक अंजन बना, नेत्रों में डालने से दोष दूर होवे।

भूत प्रेत ग्रहादि दोष निवारण

कूट, बच, चन्दन, सेंधा नमक, गिलोय, सत तेल तथा चर्बी इनको मिलाकर धूप में सुखावे तो भूत प्रेत ग्रह राक्षस आदि दोष की शांति होवे। गर्भिणी तथा बालक रक्षित रहे।

तिजारी ज्वर नाशक तन्त्र :

थोड़ी सी भांग गुड़ में मिलावे तथा ज्वर आने से एक घण्टे पूर्व खा ले तो ज्वर दूर हो।

बकरे के खोल तथा खुरासानी अजवायन मिला कर दाहिनी भुजा पर बांधे तो ज्वर भागे।

काली बिल्ली के दांत का ताबीज बनाकर गले में बाँधे तो फिर घोर बन में भी चले जाओ तो भी डर न लगे।

गधे के दाँत और बकरी के मेंग जिसके नीचे रखे तो जल्द तथा अधिक नींद आए। यह तरकीब छोटे बच्चों को अधिक लाभदायक होगी।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

खेत के अन्न पर होने वाले सब प्रकार के उपद्रवों को नाश करने के उपाय का वर्णन

बालू और सफेद सरसों इकट्ठे मिलाकर खेत में डाल देने से टिड्डी, सर्प, कीड़े, सूअर, हिरण, चूहे तथा मच्छर आदि खेत में कभी नहीं आते। किन्तु इस प्रयोग के करने से पहले निम्नलिखित मन्त्र का दस हजार बार जप कर लेना चाहिए।

मन्त्र

ओं नमो सुरेभ्य: बलज: उपारि परिमिलि स्वाहा।

स्त्री वशीकरण मन्त्र,

निम्नलिखित मन्त्र को स्त्री के मूत्र से कागज पर लिख कर यन्त्र में थोड़ा सा नमक लपेट दें, फिर स्त्री को वश में करना हो उसके घर के पिछवाड़े उस यन्त्र को गाड़ आवे और तीन दिन तक रोज सूर्योदय से पहले यन्त्र गाड़े हुए स्थान पर जाकर एड़ी के बल तीन बार घूम जाए। चौथे ही दिन वह स्त्री आपके पैरों पर नाक रगड़ेगी।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

मन्त्र

ॐ नमो भगवते अमुकस्य बुद्धि स्तम्भन शत्रु फट् स्वाहा ।

अग्नि स्तम्भन मन्त्र

ॐ नमो कारा कारबायल सो झरिया, ले गौरा के सिर धरिया । ईश्वर ढाले औरा नहाय जलती अगिया शीतल हो जाए ।

नए करवा में सात बार जल भर सात बार मन्त्र पढ़ जल को छींटा दे तो जहां तक छींटा जाय आग न लगे ।

(१) जब ग्राम में आग लगे तो कुएं से एक लोटा जल ला खड़े हो अग्नि की ओर विनती कर सिर नवाय जब साँस भीतर जाए तो जल पीवे तो अग्नि में शीतल होय ।

(२) अग्नि में घोड़ों का कूद और बेंत की जड़ डालो तो अग्नि से कपड़ा न जले ।

(३) मुलहट्ठी व भाँग का रस हाथ में लगाकर आग में हाथ उठा ले हाथ न जले ।

(४) नौसादर कपूर हाथ में लगा के आग उठावे तो न जले ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

(५) पीपल लम्बा और गोल सम भाग ले मुख में आग लगावे मुँह न जले ।

शस्त्र स्तंभन तन्त्र

(१) कृतिका नक्षत्र में कदवले (कैंथा) का बांदा लाय मुख में रखे तो घाव न लगे ।

(२) चमेली की जड़ मुख में रखे तो घाव न लगे ।

(३) सुदर्शन काजड़ बांह में बांधने से अथवा आंगा जड़ शरीर पर लेपन करे, तो संग्राम में शस्त्र की चोट न लगे ।

(४) पुष्य नक्षत्र में श्वेत सरसों की जड़ उत्तर मुख होकर ग्रहण करे, उसे सिर पर धरकर युद्ध करे जब तक मुख से न बोले तब तक चोट न लगे।

(५) पुष्य नक्षत्र में विष्णुकांता की जड़ सिर में बांधकर युद्ध में जाय तो शत्रुओं को संहार होय तथा सिंहादि, चोर शत्रु आदि भय से स्तम्भित होय ।

निन्द स्तंभन मन्त्र

(१) हरियाल पक्षी की बीट, दोमिन घोड़े की लीद को पीस अंजन करे नींद न आवे ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

(२) महुंआ और ककरो की जड़ पीस कर सूंघने से निद्रा नहीं आती।

(३) नमक, मिर्च सोंठ बारीक पीस सात दिन अंजन करने से नींद नहीं आती।

मोहन मन्त्र

यह मन्त्र पहले दस हजार बार जपकर इस मन्त्र को सिद्ध कर ले फिर कपूर को केले के रस के अन्दर पीसकर तिलक करे तो सब मोहित हो जाएंगे। वरना बिल्व को पत्तों की छाया में सुखाकर दुग्ध में पीसकर ३१ बार मन्त्र पढ़कर अपने तिलक लगाएं और फिर उसके बाद आपको जो देखेगा या फिर आप जिसके सन्मुख जाए तो वह मनुष्य आप से मोहित हो जाएगा।

मन्त्र

नमः भगवते कामदेव यस्य-यस्य हृदय भवामि यस्व-यस्व मम पश्यति तं-तं मोहमयतु स्वाहा।

नानखताई बनाने की विधि

सफेद गेहूं का सवा सेर आटा बूरा एक सेर और घी तीन पाव लेकर परात में दो घड़ी तक मसलें। कागज लगाकर परात में बिछावें उस पर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

छोटी-२ गोली बनाकर दूर रख दें और एक परात ऐसी लें जिसमें पहली परात आ जाए इस खाली परात में कोयले डालकर ऊपर रख दें और बराबर देखा करें जब फूल जाए तो निकाल लें फिर दूसरा धान रख दें।

राम बाण चूर्ण

नौशादर ३ माशा	सुहागा (भुना हुआ) ३ माशा
सौंफ ३ माशा	दाल चीनी ३ माशा
सौंठ ३ माशा	सेंधा नमक ३ माशा
काली मिर्च ३ माशा	काला नमक ३ माशा

तैयार करने की विधि

सबको कूट पीस कर चूर्ण बनायें।

नमक सुलेमानी

सौंफ एक तोला	दालचीनी एक तोला
बड़ी इलायची ,,	त्रिकुटा ,,
पोदीना सूखा ,,	जीरा ,,
अजवायन ,,	अजमोद ,,
नौशादर आठ तोला	नमक देशी ६ माशा

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

सोने का जिला

कलमी शोरा भून कर उसके बराबर चूना कलई को मिलावें और पानी में पीस लें फिर सोने के ऊपर लेप कर धूप में सुखाएं तो सोना बहुत साफ हो जाए।

अनन्त बलि मन्त्र

आ ह्रीं अनन्ताय नागाधिपतये चक्रहस्ताय इमं बलि गृहाण २ गरोणमय प्रयच्छ स्वाहा।

विधि—ये सब बलिदान श्मशान में करे फिर अधिष्ठाता देवता चौंसठ योगिनी और डाकिनी को बलिदान देवे कि कुछ दूर पर बैठकर ह्रीं फट शिवाय नमः' इस मन्त्र से मुरदे की पूजा करे और मुरदे पर घोड़े की तरह बैठे और अपने पांव के नीचे दूब दबाए। गुरु गणेश और देवी को नमस्कार करके रीरावन मन्त्र द्वारा दशों दिशा में जाष्ट फर्के और संकल्प करे, अद्येत्यादि अमुक देवताय सुदर्शन कामो-मुकमन्त्रस्यामुक संख्यादि जपमहं करिष्यते।

फिर 'ह्रीं आधार शक्ति कमला सनाय नमः' से आसन की पूजा कर अपनी बाईं ओर मुरदे के समीप

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

अर्घ्य पात्रादि रखकर पाठ पूजा करे। फिर यथा-शक्ति षोडशोपचार दशोपचार से देवी का पूजन करे तथा अभिमन्त्रित जल को मुर्दे के मुंह में डाले।

वशीकरण (अत्यन्त)

विधि—काले कौवे के पंख, मोर के पंख, और हुदहुद पक्षी के सर का ताज इन तीनों वस्तुओं को जलाकर इसकी राख में रविवार के दिन सूर्य निकलने से पहिले चौराहे से उठाई धूल को मिलाकर थूक से या पानी से गोलियां बनावे। बस यह गोली थूक में घिसकर जिसके बदन या वस्त्र में लगा दी जावेगी वह अवश्य ही वशीभूत हो जाएगा।

प्रेत वशीकरण मन्त्र

ओं श्रीं वं वं भुं भूतेश्वरी मम वश्य कुरु कुरु स्वाहा।

विधि—मूल नक्षत्र में बबूल के नीचे तीन दिन इस मन्त्र को प्रतिदिन १०८ बार जपे तो प्रेत प्रकट होकर साफ कहे। तब वचन लेकर जो मन में विचार हो मांगे।

घर बैठे देशों की सैर करना

जिस आमिल ने अपनी विचार शक्ति को अपने

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

वश में कर लिया हो तो उसे चाहिए कि नियम अनु-सार एक कमरे में दोनों घुटनों के बल बैठ जाए और अपने सारी बातों को भुला दे जैसे कि उसने अपनी याददाश्त खो बैठा हो। ऐसा अभ्यास प्रतिदिन करे और इन दिनों के बीच में कोई रुकावट नहीं आए अगर बीच में रुकावट आ गई तो उसका प्रयोग छूट जाएगा और उसके अमल में फर्क आ जाएगा।

एक अवस्था जो दस दिन में पैदा होती है उसे पैदा होने में ज्यादा समय लग जाता है। एक अवस्था ऐसी आएगी कि वह यहां तक बेहोश पड़ा था इतने समय से वह मरा हुआ पड़ा था। जब ऐसी अवस्था पैदा हो जाए तो वह अपनी विचार शक्ति से हर स्थान की सैर कर सकता है। जब आमिल का अमल पूरा हो जाए तो फिर कोई भी बात उसके सामने कठिन नहीं होती। उधर बात का ध्यान आया और उधर आंखों के सामने उसकी तस्वीर आ गई। और जो यह देखता है वह बिल्कुल सही होता है।

सुनने में आया है कि कुछ आदमी ऐसे होते हैं कि अगर उनसे कुछ प्रश्न किया जांय या किसी स्थान के हालात पूछे जाए तो वह अपना सिर नीचे को

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

करते थे और फिर थाड़ी देर बाद उस का पूरा वर्णन कर देते हैं। और हमने यह अजमाकर भी देखा है कि यह बात बिल्कुल सही है। क्योंकि आमिल के लिए कोई मुश्किल बात नहीं है। कई आमिल ऐसे भी होते हैं जो देर तक काम करने से अपनी बहुत बढ़िया शक्ति बना लेते हैं। उनके मन में एक प्रकार का शीशा बन जाता है जिसमें आमिल जब चाहे कुछ भी देख सकता है। उनके इस शीशे में हर हालातों की तस्वीर आती है। और वह जब सिर झुका कर उसमें देखते हैं तो उस शोशे में हर प्रकार के हालातों के सम्बन्ध में देख पाते हैं।

जब आमिल किसी छिपी हुई बातों के लिए कोशिश करता है तो वह उसमें सफल रहता है। आमिल बीता हुआ और आने वाले समय होने वाली घटना उस शीशे में देख सकता है। और वह जब चाहे किसी भी देश की सैर कर सकता है। आज विज्ञान बहुत तरक्की कर गया है। उसने खोज-बीन शुरू कर दी है और सम्भव है कि ऐसा जमाना दूर नहीं जब प्रत्येक व्यक्ति इस ज्ञान शक्ति को पाकर इस संसार की सैर करेगा इस संसार को देख सकेगा। परन्तु उस जमाने को आने में अभी बहुत समय है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

इसलिए हम अपने पाठकों के विश्वास के लिए ऐसी बातों का वर्णन करेंगे, जिन बातों में विभिन्न प्रकार के प्रभाव पैदा होते है, प्रयोग केवल और शौक केवल विश्वास के लिए होते हैं। लेकिन आमिल की छिपी हुई ताकत अर्थात् उसकी अन्दरूनी शक्ति अन्दर ही अन्दर अपना काम करती रहती है।

आमिल को चाहिए कि वह अपना दिमाग तरो-ताजा रखें और अपने दिल और दिमाग को हर बात समझाने के लिए हमेशा तैयार रखो ताकि आमिल जब अधिक अभ्यास करे तो उसके कारण उसका दिमाग और दिल कमजोर न पड़ जाए। जो आमिल अपनी आकर्षण शक्ति पर पूरा काबू पा लेता है वह बस एक बार कष्ट अनुभव करताहै। लेकिन बहुत से बातों को वह समझ कर पा लेता है। लेकिन आमिल को हर अपने काम के लिए अलग-२ और भिन्न भिन्न प्रयोग करने पड़ते है। उन्हें केवल इस लिए लिखा जाता है क्योंकि आजकल हमने देखा है कि आप में लोग मिस्मरेजम शब्द से बहुत डरते हैं। उसे पाने हानि कारक समझते है। लेकिन वह लोग जो समझते है कि मिस्मरेजम हानिकारक है वह लोग गलती पर है इस दुनियां में कई खराब दिल और

चौ० बं० जा०

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दिमाग वाले व्यक्ति है जो थोड़ा से प्रयोग का अभ्यास करते हैं तो सफल नहीं होते तो उन्हें देखकर गलत राय कायम नहीं करनी चाहिए क्योंकि हमने प्रायः देखा है कि ऐसे आदमी है। जिन्होंने थोड़े से ही समय में कमाल की शक्ति पैदा कर ली है और अब वह अच्छे भले आदमी है।

दिन में तारे दिखाई देना

सफेद सुरमा को अगस्त पुष्प के रस में मिलाकर खरल करे तथा आठवें दिन नेत्रों में लगावे तो दिन में भी तारे दिखाई दें।

अनौखी खड़ाऊं

सफेद चिरमिटी लाकर पीसकर खड़ाऊं पर लेप कर सुखा कर रख लो और जब खेल करना हो पैर धो पहन कर चलिए इस तरह बिना खूंटी की खड़ाऊं से चलता देखकर लोग अचरज करेंगे।

बबूल के कांटे चबाना

द्रोण पुष्पी के पत्र चबा उसका रस मुख में रख फिर कांटे चबाए तो कोई कष्ट न होगा तथा दर्शक अचरज करेंगे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बालक के दांत बिना कष्ट निकलें

बालक को कोई रबड़ की वस्तु दे दो जिसको वह चबाता रहे या मोम का टुकड़ा अथवा मुलहटी की लकड़ी ऊपर से छील कर चबाने के वास्ते देवे या बिजली का फीता बाँध दे तो दांत बिना कष्ट ही निकल आवें।

अनहार जीवन मन्त्र

चिरचिटा अथवा लटजीरा के बीज को दूध में खीर पकाकर खाने से मनुष्य कुछ काल तक बिना खाए जीवित रह सकता है।

तथा

औंगा और पदम के बीज तुलसी की लढ़ आंवले के बीज इन सबको सम लेकर तुलसी के रस में गोली बनाये नित्य प्रति एक गोली खाकर ऊपर से गाय का दूध मिश्री डाल पीवे तो भूख और प्यास कभी न लगे।

अति आहार करणम्

शनिवार की संध्या को हाथ में विजया (भांग) लेकर बहेड़े के पेड़ को निमन्त्रण दे आवे और यह

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

विजया की पोटली बांध वहां रख आवे । प्रातःसमय हाथ में थोड़ा गुड़ मिलाय खा लेवे और उस वृक्ष का एक पत्ता तोड़ भोजन के समय पांव के तले दवा रखे तो बहुत भोजन खावे ।

यन्त्र

यदि किसी को भूत प्रेत ग्रहादि दोष हो तो इस विधि से निवारण किया जाता है । हरामस भाँग, मोम चूहे की मेंहनी यह सम भाग लेकर बकरी के पेशाब में सात दिन तक खरल करे फिर बारीक अन्जन बना, नेत्रों में डालने से दोष दूर होवे ।

भूत प्रेत ग्रहादि दोष निवारण

कूट, बच चन्दन सेंधा नमक, गिलोय सत तेल तथा चर्बी इनको मिलाकर धूप में सुखावे तो भूत प्रेत ग्रह राक्षस आदि दोष की शाँति होवे । गर्भिणी तथा बालक रक्षित रहे ।

बन्ध्या पुत्रवती हो

पुष्य नक्षत्र में रविवार को असगंध लेकर भैंस के दूध के साथ सात दिन तक सेवन करने से बन्ध्या भी गर्भवती होकर पुत्र जने ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

तथा

यदि कोई स्त्री किसी कन्या के प्रथम माहावारी के कपड़े को जलाकर गुड़ के साथ खावे तो वह स्त्री अवश्य गर्भिणी हो ।

पुत्र ही पैदा हो

जिस स्त्री के कन्यायें ही होती हों तो वह यदि बिडाल और सिंह के नख का ताबीज बनाकर दाहिनी भूजा में बांधे तो अवश्य पुत्र हो ।

सिर पीड़ा तन्त्र

कनपटी से लेकर माथे तक दालचीनी के तेल की मालिश करें तो सिर दर्द जाय ।

विवाह तन्त्र

जिस किसी का विवाह न होता हो तो वह मंगल के दिन चीटों पर आटा डाल दिया करे और उसी दिन उपवास रखे तो विवाह अवश्य होगा ।

नकसीर बन्द लेप

जब देखें कि नकसीर गरमी की बहुलता के कारण फूट रही है तो निम्नलिखित लेप तैयार करके रोगी

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

के तालू पर लेप कर दें ईश्वर की कृपा से नक्सीर बन्द हो जायगी। अनुभव कर देखें।

आवश्यकतानुसार बाँसा यदि ताजा मिल जावे तो ठीक है वरना सूखे पत्ते २ तोला या न्यूनाधिक लेकर सूक्ष्म पीस लें और रोगी के तालू पर लेप कर दें नक्सीर बन्द हो जायेगी अत्यन्त प्रभाविक और लाभदायक लेप है।

दमा का दौरा रोकना

दमे का दौरा बन्द करने के किए यह साधारण सी विधि अति लाभदायक व प्रभावदायक है दौरा चाहे भयंकर ही पड़ा हो, ईश्वर की कृपा से अवश्य रुक जावेगा और रोगी की जान में जान आ जायेगी।

आवश्यकता के अनुसार बाँसा पत्र जो पीले होने वाले हों, लेकिन छाया में सुखा लें और सुरक्षित रखें। आवश्यकता के समय इनमें से कुछ पत्ते तम्बाकू की भाँति टिकिया बनाकर चिलम में रख हुक्के में रोगी को पिलावें जो खूब जोर से कश लगावे तो दमा के दौरे का प्रभाव मिट जाता है।

ड्पाँ (कालमा)

यह योग पांडु रोग के लिए अत्यन्त गुणकारी है,

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

इसके इस्तेमाल से चन्द ही दिनों में आराम हो जाता है।

अडूसा का हरा ताजा क्षुप लाकर उसके पंचांक को कुचल कर रस निकाल ले और उसमें उत्तम मधु (शहद) और मिश्री रुचिकर स्वाद योग्य मिला कर रोगी को पिलावे। इसी प्रकार पूर्ण आरोग्यता प्राप्त होने तक पिलाते रहें।

चुटकले

नेत्र रोग

अडूसा के पाव भर गीले पत्ते लेकर उनको भली भांति धोकर साफ कर लें। फिर दो सेर पानी में रात्रि को स्वच्छ पात्र में भिगो दें और प्रातःकाल उसमें एक छटांक बीकानेरी मिश्री को मिलाकर मन्द अग्नि पर पकावे। पकाते २ जब पाव भर पानी शेष रहे तब उतार लें और छान कर पुनः अग्नि पर मन्द २ आँच पै पकावें जब शहद की भांति गाढ़ा हो जावे तब चौड़े मुख की शीशी में डालकर सुरक्षित रखें। प्रातः सांय दो बार सलाई से लगाया करें।

इससे दुखती हुई आँखें बहुत जल्दी अच्छी हो जाती है। इसके अतिरक्त नेत्रप्रसस्व पीड़ा, प्रातः

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

उठने पर नेत्रों में कीचड़ भरा रहना आदि तथा नेत्र कंडु लालिमा और साधारण दृष्टिमान्द्ध इससे ठीक हो जाते हैं और कुकरों को भी आराम होता है।

दन्त मञ्जन

यह मंजन दांतों के समस्त रोगों के लिये अक्सीर है इसके इस्तेमाल से दांतों की समस्त व्याधियां दूर होती हैं। इसके लगाते रहने से दाँतों में कीड़ा नहीं लगने पाता, न छिद्र होने पाता है, मसूड़े खुश्क और तने हुए रहते हैं, और अन्त तक सुदृढ़ रहते हैं किन्तु यह तभी सम्भव है जबकि अपनी दैनिक क्रिया में इस मंजन का प्रयोग सम्मिलित हो अर्थात निरन्तर इसे लगाते रहें वरना महीने में केवल २-३ बार मञ्जन कर लेने मात्र से इतना लाभ नहीं हो सकेगा।

मन्जन अड़ूसा के पंचांग को धूल मिट्टी से साफ करके छाया में सुखा लें और फिर किसी स्वच्छ पात्र में डालकर जला लें फिर उस राख को पीस कपड़े में छान करके शीश में सुरक्षित रखें। मन्जन तैयार है।

खुश्क खाँसी पर

अड़ूसा के हरे पत्ते लेकर कुचलकर उनका रस

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

निकालें। फिर इसमें १ तोला रस में छः माशा शहद और थोड़ा सा बादाम रोगन मिलाकर सम्मिश्रण करके रोगी को पिला दें। इस प्रकार दिन में दो बार पिलाने से १-२ दिन में आराम हो जाएगा।

अक्सीर खाँसी

आवश्यक्तानुसार अडूसा के पत्ते लेकर उनकी धूल मिट्टी साफ करे, फिर उसमें थोड़ा सा नमक मिला कर कपरोटी करके कण्डों में भस्म बना लें। सीतल होने पर भस्म को बारीक पीसकर शीशी में सुरक्षित रक्खे मात्रा १ रत्ती ताजा जल की घूंट के साथ सेवन करायें इसी प्रकार निरन्तर ४-५ दिन सेवन कराने से खांसी मिट जाएगी।

दूसरा योग

आवश्यकतानुसार अडूसा के ताजे पत्तें लेकर उनको एक कपड़े में लपेट कर गोला सा बना लें और उस गोले पर चिकनी मिट्टी की भली भांति गूंदकर लेप कर दें ताकि उस पर वह चढ़ जावे फिर उस गौले को धूप में सुखाकर गरम राख (भूभल) में दबा दो। जब गौले का रंग सुर्ख हो तब निकाल लें और नियमा-

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

नुसार पत्तों का रस निचौड़ कर उनमें से एक तौला लें इस १ तौला रस में ६ माशा मिश्री और ६ माशा असली शहद मिलाकर रोगी को चटावे। इससे पित्त जनित खाँसी दूर होती है। यदि बार-बार खांसने पर भी कुछ न निकलता हो तो इसे सेवन करायें अद्भुत दृष्टिगोचर होंगे।

बीन बाँधने का मन्त्र

ओ३म नमो वादी प्रभाव राढ़ बैरी का बैठा बड़ पीपल की छाया और वादी न कीजे बांधूं तेरा कपट अरु काया बांधूं बैन अरु योगी और मसान की बानी अब तो रह बीन सुजान वाले नरसिंह ऊपर हनुमन्त नाजे तो बीन न बजेगी।

विधि

इस मन्त्र को लाख बार जपकर सिद्धकर ले फिर जब बीन बांधनी हो तो सात बार मन्त्र पढ़कर बीन पर मारे तो बीन न बजेगी।

कागज की कढ़ाई पर पुआ उतारना

ॐ नमो घानी का तेल कागज की कढ़ाई जले जले तो हनुमान जती की दुहाई।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दांत के कीड़े दूर करने की विधि

ओं नमो कीड़ा दे तू वंड कुडला लाल-लाल पूंछ तेरा मुंह काला मैं तोहे पूंछं कहां से आया मारा काट कर सबको खाया अब तू जा कर भस्म हो जाए श्री सतगुरु जी करें सहाय।

विधि—इस मन्त्र को एक सौ आठ बार पढ़कर फूंके।

बिगड़े हुए घी को ठीक करना

यदि घी सड़ जाए तो आग पर गर्म करें और एक गांठ प्याज को डाल दें और छान लें, घी ठीक हो जाएगा।

चूल्हे में आग न जले

बेंत की जड़ और घोड़े का सुम बराबर लेकर पीस लें और जिस चूल्हे में इसे डाले उसमें आग कदापि न जले।

आम का पेड़ लगाना

जब आपको इस प्रकार का खेल करना हो कि आम का पेड़ लगाना तो किसी आम को बिना गुठली

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

के अकोब के तेल में सात बार डालकर उस आम को छाया में सुखा लो। और जब खेल कर रहे तो गीली मिट्टी से उस आम को दबा कर ऊपर से कपड़ा ढक दो और फिर उस पर पानी गेरते रहो। थोड़ी ही देर में आम का पेड़ फूट आएगा।

दहकते हुए गोले से चादर न जले

जब आप यह खेल करना चाहते हैं कि दहकते हुए गोल से चादर न जले तो आप पारा, कोयला, और कपूर बराबर-बराबर लेकर उसका एक गोला बनाए और उस गोले में आग लगा कर उसे चादर पर लुढ़काए तो चादर नहीं जलेगी।

शत्रु मित्र बनें

स्नान करके सरोवर के किनारे ही दूब के आसन पर बैठकर जप करें-तो शत्रु अपनी दुश्मनी त्याग २६ दिन में आपका मित्र बन जाएगा।

मन्त्र

नमः भगवते भूतादि सीता विरु पक्षाय घोरे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बर्राने का मन्त्र

ओं कं कं कं कं क टः ठः ।

विधि

इतवार या मंगल को नीलकँठ का पंख मन्त्र पढ़ कर शिखा में बाँध ले तो सोते में बर्रावे ।

दामिनी नाशक मन्त्र

ॐ प्रज्वलित जो गजनी ता ता तां ।

विधि

अरहर के बीज जिस तरफ का मन्त्र पढ़कर फेंके उस तरफ बिजली न गिरे ।

तिजारी ज्वर मन्त्र

ॐ नमो महा उछिष्ट योगिनी प्रकर्ण दष्ठ खादति गर्भवती नशित भक्षित ओं ठः ठः ।

विधि

काँच के फूलों पर मन्त्र पढ़कर दाहिनी भुजा पर बाँधे तो तिजारी ज्वर जाए ।

चौथिया निवारण

ॐ ऐ ओं ओं भय द्रावय ओं वह २ ओं ओं हीं ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

विधि

चन्द्रवार को नदी में खड़े हो कर इस मन्त्र का १०८ बार जाप करे तो चौथिया दूर हो ।

सोता बालक मूते नहीं

जो बालक मूते सोवत में और डरे सोता में
तीज समेत मुर्गा को खाव डरे न मूते सोता में

बाल जमे नहीं

मरी जोक कई एक सुखा के ऐसा यतन कीजे ।
घोड़ा लीद मांझ चिल्लाभर गाढ़ में दीजे ।।
बहुरि काढ़ि जहाँ मलवाय तहाँ बाल नहीं आवे ।
बार बार मुंडन ते छूटे गुरु यह शब्द सुनावे ।।

स्त्री बाँझ होने की विधि

जब रजस्वला शुद्ध होय यतन करीजै ।
मूला पान मंगवाय पीसकर जल में पीजै ।।
चार पाँच दिन करे बांझ निश्चय हो जाए ।
मनका भय कढ़ जाय चित्त अति सुख पाये ।।

बालक से आगे होने वाली बात पूछना

सूखी साक ओगा की लीजै बाती रुई लपेट बरीजै
दीये नये में घृत पुरावे । तामे बाती राख सरावे उच्च

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

वर्ण का बालक स्वच्छ वस्त्र पहनाई । दीपक सम्मुख दृष्टि कर पूछे ताहि बताई ।

सोता हुआ मन की बात करे

घुग्घू का कटाय करेजा अग्नि धराये गूगर धूनी देह मन्त्र को सिद्ध करये । फिरता सोता कोई होय ताहि के उर धारे । कहे वो मन के भेद आपु ने मुख सों सारे ।

बाल दूर करने की विधि

सात भाग चूना को लाये । एक भाग हरताल मिलाये । उभय पास दोऊ जल से बालों पर जा लगाए रहे न रोम यतन यह कीजे । मन में अति सुख पायें । बार-बार मुडते छूटे इन्द्रजाल यों गाये ।

भूख न लगे

सुन्दर खीर पकाय के, ऊंगा लेन खवाय ।
गूगर धूनी खोय कर, सत्त करे चितलाय ।।
फिर हांडी मुख बन्द कर चुना पीस लगाय ।
अथवा गुरु चना माथे हांडी मुख पर लाय ।।
भीतर जल जाय नहीं ऐसा मुख खुदवाय ।
बहते जल में गाड़िये पाताल घरे खुदवाय ।।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

जितने दिन की शर्त हो, भूख न लागे ताय।
बीतत ही मियाद के खीर काढ़ि के खाय ॥

कोल्हू रोकने का उपाय

सोवन का टूका मंगवाय स्याही लगाये कोल्हू के अन्दर डार देवे तो कोल्हू चलते से रुक जाये।

भैरव पकड़ने की विधि

भैरव तेरे पास आइके मांगे टोपी।
धरले कहीं छिपाए न देने उसको टोपी ॥
जब लौ टोपी रख पास वह बसि है तेरे।
कहै उसे जो काम तुरत कर लाए घनेरे ॥
तीन बचन जो देई याद करते ही आऊं।
तब टोपी को देई यही विधि और बताऊं ॥

पक्षियों की चोंच बन्द हो

जहर भरा काठ का पुतला उड़ता जाय आकाश अक्षीम अक्षीम।

विधि

गामी पक्षी को मार कर उसकी चोंच में सरसों भरके नदी किनारे गाड़ आए। दो दिन बाद खोदकर लाये फिर उन दानों को जिस पक्षी पर पढ़कर मारे उस पक्षीकी चोंच बन्द हो।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

आयु बढ़ाने का मन्त्र

ॐ आरी मेड़ा हार गई मैं पहरा काली काली पुतली वह स्थी स्थी ।

विधि

इस मन्त्र को मोर पंख पर पढ़ कर सिर से बाँधे तो आयु बढ़े ।

फोड़ा झाड़ने का मन्त्र

ॐ सहतील हलुमीतां आव भूता ग्रहनतो आं ठ ठ ।

विधि

इतवार को राह की रज से मन्त्र पढ़कर सात बार फोड़े को झाड़े तो आराम हो ।

आँखों का फूला कटे

ॐ हजार ज्वालाय: ।

विधि

रविवार को मन्त्र पढ़-पढ़ कर चाकू से रेखा खींचे तो आंख का फूला जाय ।

अधिक भोजन का मन्त्र

ॐ प्रति गत अमासाली कागस्तयाद्रमी वरमी इमी ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

विधि

पड़वा को हिंगुवार का फल खाकर फिर चाहे जितना भोजन कीजिए।

भूख न लगने का मन्त्र

ॐ गुजाह् हरवयाँ उन मख सुख मास रखिल तबी आहुम आहुम।

विधि

अगर चरबी का फल इस मन्त्रको पकेकर खाले तो कतई भूख न लगे।

शास्त्रार्थ जीतने का मन्त्र

ॐ जीव जीव जीव उतर मेवा महाप्रसारम सुष्म आताँल रसना ठः ठः ठः।

विधि

त्रयोदशी के दिन प्रातः काल एक हाथ से हुदहुद पक्षी को गोली से मार लाये उसका पंख श्वेत चन्दन कस्तूरी में घिसकर माथे में त्रिपुण्ड लगाकर जिस शास्त्रार्थ में जाए अवश्य जीते।

पोलिया का मन्त्र

ॐ नमो वीर बैताल असरालन सिंह देव सुनभ २

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कोमल रंग काटे भारे पीलिया न रहे निशान ।

विधि

कांसी की कटोरी में सरसों का तेल लेकर रोगी को सामने बैठाकर नदी के किनारे की दूब से दो दिन तक झारे तो रोग नष्ट हो ।

मदारी को पछाड़ने की विधि

उर्द के दानों पर मन्त्र को सात बार पढ़कर मदारी के मारे तो मूर्छित हो ।

मन्त्र

ॐ नमो गदाधारी हनुमन्त वीर, स्वामी बड़ा तेज बैरा का शरीर अद्रष्टिचक्र मातु कालका का जन्म चड़े पैरी न फर थैर में करिहो तेरे जीव का भ्रात में न करूं तेरे गुरु मोर से मारूं तुझे एक ही तो तीर से मेरा भारा ऐसा घूमे जैसे मंजनी सर्प की लहर पैर तोहि हिरत मारूं बाण, फेर चले तो गुरु गोरखनाथ की आन ।

मुहम्मद पीर को सिद्ध करने की विधि

गुरुवार की रात्रि को साफ स्थान करके घी का दीपक जलाये तथा धूप चमेली के पुष्प, लौंग इलायची

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

मिठाई हलुआ आदि सामग्री रख लोहवान की धूप दे फिर किसी स्त्री को दीपक के सामने बैठावे और इस मन्त्र को १०८ बारे जपे तथा पांच लौंग उठाकर स्त्री के सिर पर रखे तो पीर साहिब तशरीफ लावे पश्चात उनसे मन चाही कामना होय।

मन्त्र

ॐ नमो बिस्मिल्ला रहीम गजनी में चचा मुहम्मद पीर चलाचल सवा सेर का तोसा खास अस्सी कोस का दावा बताक सफेद का घोड़ा लाल लगाम उस पर चढे वीर जवान। नौ सौ पलटन आगे पीछे जाय चल रे चल पीर जवान तुछ सा नहीं वीर नौ जवान हमारा दुश्मन पकड़ लावे हाड़ २ खाय मांस को चबाय और मारता पीटता पछाड़ता तोड़ तो पांव की बेड़ी मुश्क से चढ़ाय सो ले खिलाय कैसे भी लाये। न लिए न जाए आओ २ पीर साहिब खुला तेरा द्वारा खिलाते खेल।

तन्त्र से मन की इच्छा पूर्ण

रविवार को मेष के सींग न्यौता आओ और उस को पूंगी बनवाकर घर के कोने में गाढ़दो और उसमें तेल सींचो आधी रात को पूंगी के पास जो मन में

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

इच्छा करोगे वह एक मास तक पूर्ण हो जायेगी।

चिमनी न फूटने की विधि

चिमनी को ठंडे पानी में डाल दो और पानी समेत चूल्हे पर चढ़ा दो जब वह गर्म हो जाय तो चिमनी को निकाल लो ऐसा करने से चिमनी लौ से न फूटेगी।

एक घण्टे में पेड़ लगाना

कुसुम का तेल और तुलसी के बीज आठ रोज की गीली मिट्टी में जब चाहो तब बो दो एक घण्टे में तैयार हो जायेगा।

गाँव की आफत दूर हो

बानर का हाड़ लाकर धूप दे गाँव में गाढ़ दो तो गांव की बीमारी दूर हो जाती है।

मरा हुआ बकरा बोले

खेल वाले पृथ्वी पर सिन्धूर बिछाकर मरे बकरे कासिर लाकर उसमें मेंढ़क रख दो और धूप की धूनी दो तो मेंढ़क चिल्ला उठेगा लोग समझेंगे कटा सिर बोल रहा है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कपड़े में आग लगा दो मगर कपड़ा न जले

प्रथम कपड़े को शराब में भिगोकर उसमें आग लगा दो तो कपड़ा नहीं जलेगा शराब जल जायेगी। लेकिन इतना ध्यान रहे कि कपड़े पर जो शराब डाली थी उसके खतम होते ही अग्नि को बुझा दो।

शीशा चबाना

जलती मशाल में शीशी डालकर खूब लाल करो फिर अदरक के रस में एक पहर भिगोवे फिर उसको चबाओ तो कोई दुख न होगा खेल बन जायेगा।

शत्रु का पेशाब बन्द करना

दुश्मन ने जहां पेशाब किया हो वहां की मिट्टी लेकर गिरगिट के मुंह में रखकर जंगल में दबा आये तो उसका मूत्र बन्द हो।

अन्धा बनाने की विधि

बिलाई कन्द और क्रांति को मुख में रख लेने से दूसरे मनुष्यों की निगाह बन्द हो जाती है अर्थात वह मनुष्य इस प्रकार नजर बन्द करके दूसरों को चाहे जो कुछ दिखा सकता है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कपड़े में आग लगाना

आप किसी कपड़े को लेकर उसे शराब में भिगो लीजिए फिर जब खेल दिखाना हो तब कपड़े को निचोड़कर उसमें आग लगा दो लेकिन ध्यान रहे शराब के खत्म होने से पूर्व उस कपड़े को बुझा दो।

पानी में आसन बनाकर बैठना

आप लिसौदी का गूदा लेकर आठ या दस बार किसी मृगछाला पर लेप कर और उसे सुखा लें फिर उस मृगछाला को पानी में बिछाकर आप उस पर आसन लगाकर बैठोगे तो मृगछाला टूटेगी नहीं।

कनेर के फूलों का रंग बदलना

कनेर के पौधे की एक ऐसी डाली तोड़ली जाय जिस में कि लाल रँग के ताजा फूल लगे हो। उन फूलों को पहले किसी एकान्त स्थान में गन्धक के चूर्ण का धुआं दें। ऐसा करने से उस डाली के सभी फूल केवल पाँच मिनट के लिए सफेद रंग के हो जायेंगे। जब फूल सफेद पांच मिनट की अवधि के अन्दर हों किसी मिट्टी के बर्तन, गिलास अथवा प्याले में थोड़ी सी मिट्टी डालकर उसके ऊपर पानी का

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

छिड़काव कर दें। फिर उस मिट्टी में कनेर के फूलों की उस डाली को गाड़कर दर्शकों से कहें—

हाजरीन ! मैं इन सफेद रंग के फूलों को गायब करके लाल रंग के फूल मँगाये देता हूँ।

यह कहते हुए एक दूसरे बर्तन के भरे हुए पानी को जिसमें कि पहले से ही थोड़ी-सी फिटकरी भी मिली हुई हो उस कनेर की डाली के फूलों पर छिड़क दें। उस फिटकरी मिले पानी के पड़ते ही सभी फूल सफेदी छोड़ कर पुनः लाल रँग के हो जायेंगे। यह देख दर्शक दंग रह जायेंगे।

महा उच्चाटन मन्त्र

ॐ तुङ्ग स्फुलित बक्रिम चाँचिका विद्धद्दहन मांघ वने स्फा ॐ ठः ठः। अमुकं

रविवार या मंगलवार को जब अमावस्या पड़े तो आधी रात के समय ऊँट के चर्म पर सफेद भुजा की माला से शत्रु के नाम के साथ मन्त्र एक हजार बार जपे तो शत्रु को मारणन्तक उच्चाटन होय।

अन्य—श्रीं श्रीं श्रीं अमुक शत्रु उच्चाटन स्वाहा।

उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में कुंकुम काष्ठ सात अंगुली

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

प्रमाण लावे १०८ मन्त्र पढ़कर शत्रु के द्वार पर गाड़े तो सात दिन में उच्चाटन होय ।

उच्चाटन मन्त्र

अश्लेषा नक्षत्र में मरकट का हाड़ घुग्घू पक्षी का हाड़ एवं बिल्ली की चमड़ी व नख व नींबू की लकड़ी इन सबों को काले धतूरे के रस में मिलाकर शत्रु गृह में प्रवेश करे तो अवश्य उच्चाटन होय ।

अभिश्रित

बालकों का जुकाम

बाँसा पत्र ३ माशे लेकर पाव भर पानी में पकावे पकते-२ जब पांच तोला पानी शेष बचे तब उसे छानकर मिश्री मिलाकर बालक को पिलावें । ऐसी दो मात्राएं प्रातः सांय पिलाते रहने से ३ दिन में जुकाम मिट जाएगा ।

बिना देखे पत्ते बताना

जब जादूगर दर्शकों से कहता है कि आज मैं आपको एक ताश का खेल दिखाने जा रहा हूं । उसमें आपको बहुत मजा आएगा इतना कहते ही जादूगर कहता है लीजिए साहेबान कद्रदान इस ताश की गड्डी को अच्छी तरह देख लीजिए इस गड्डी

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

के पत्तों पर किसी प्रकार का निशान तो नहीं लग रहा। आप सब इन पत्तों को एक-२ करके देख लीजिए इन पत्तों को उलट-पुलट कर भी देख लीजिए गौर से देख लो इनमें किसी प्रकार का निशान तो नहीं लग रहा है। पत्तों को उलटे करके भी देख लो कहिए पत्ते पतले या मोटे तो नहीं है कि मैं इनको पहचान लूं। फिर वह ताश की गड्डी को दर्शकों के हाथ में पकड़ा देता है और दर्शक उसको अच्छी तरह देख कर उसे अच्छी तरह से परख लेते हैं कि कहीं गड्डी में किसी प्रकार का निशान तो नहीं है। फिर जब सारे दर्शक अच्छी तरह से उस गड्डी को देख लेते हैं तो वह कहता है आप अब बहुत देख चुके अब इस गड्डी को अच्छी तरह से मिला दो। फिर कोई दर्शक उस गड्डी को अच्छी तरह से मिला देता है। अब आप में से कोई बता सकता है कि कौन सा पत्ता कहां पर है, लेकिन मैं यह बता सकता हूँ कि कौन सा पत्ता कहां पर है। अब मुझको एक व्यक्ति की जरूरत है जो मेरे खेल में हाथ बँटाएगा। फिर वह किसी व्यक्ति को बुला लेता है और उसको एक कुर्सी पर बैठाकर वह ताश की गड्डी उसके हाथ में

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पकड़ा देता है और उससे कहता है कि यह गड्डी ऐसे पकड़ लो ताकि मैं इस गड्डी के पत्तों को न देख सकूँ और आप इन पत्तों को देख सकें। फिर वह कहता है अगर आप लोगों को शक है कि मैं अब भी इन पत्तों को देख सकता हूँ तो मैं अपनी आँखों पर पट्टी बँधवा लेता हूं। और फिर किसी दर्शक से वह अपनी आंखों पर पट्टी बंधवा लेता है। फिर वह उस व्यक्ति से कहता है कि अब आप अपनी यह कुर्सी लेकर कमरे के किसी भी भाग में चले जाएँ जिससे मैं आपको या ताश की गड्डी को न देख सकूँ। अब आप एक-२ पत्ता उठाकर खुद देखते जाएं फिर कुर्सी पर बैठा हुआ व्यक्ति ताश की गड्डी के एक-२ पत्तों को उठाकर देखता रहता है।

फिर जादूगर बुरा मुंह बना कर कहता है मेरी समझ में यह नहीं आ रहा है कि यह पत्ता जो आप देख रहे हैं वह ईंट का है या चिड़ी का। फिर वह कहता है कि यह पत्ता ईंट का दहला है। मैंने गलत तो नहीं बताया जरा गौर से देख लीज़िए ईंट का दहला ही है न। फिर कुर्सी पर बैठा व्यक्ति कहता है कि हाँ सही है। फिर वह कहता है यह पान का

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बादशाह है। यह चिड़ी की अट्ठी है। ३ चौथा पत्ता तो उठाइए। यह ईंट की तिगी। काले रंग वाला हुकुम का बादशाह मैंने सही कह न। इस प्रकार जादूगर एक-२ करके सारे पत्ते ब ताता जाता है और वह जो-२ पत्ते बताता है वह सब के सब सही पत्ते बताता है। वह सब के सब यह खेल देख कर दंग रह जाते हैं क्योंकि वह जानते हैं कि ताश की गड्डी के पत्तों को उन्होंने अपने हाथों से अच्छी तरह देखकर मिलाया है। खेल को शुरू करने से पहले यह जरूरी है कि जादूगर की याददास्त भी अच्छी हो। खेल करने वाले के संग में उसका साथी हो या न हो या अवश्य नहीं है इस खेल का रहस्य यह है कि जादूगर अपने पास एक ही प्रकार की दो गड्डी रखता है और एक गड्डी के पत्तों को इस प्रकार परखता है—नौ आठ नूप तीन दस दो सात काम एक पंजा सेवक चार इक छः रानी प्रिय मास गड्डी के चार भाग कीजिए। पहले भाग में चिड़ी ईंट पान और हुक्म के सिलसिल से दोहे क्रम से पत्ते लगाइए परन्तु हर भाग में नहला, अट्ठा, बादशाह, तीया, दहला, दूआ, सत्ता, पंजा, गुलाम, चौका. इक्का और

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

बेगम इस तरह से १३ पत्ते रखकर दोहे के याद रखने से पत्तों का क्रम खूब अच्छी तरह याद रह सकता है।

यह बात भी बहुत महत्त्वपूर्ण है कि हर पत्ता चिड़ी, ईंट, पान और हुक्म का सिलसिलेवार होना चाहिए। एक ही रंग के पत्तों को एक स्थान पर नहीं रहने चाहिए जो गड्डी आप इस तरह की तैयार करे उसे अपने कोट की बाईं जेब में रखे और उसी तरह की दूसरी गड्डी को लोगों को मिलाने के लिए दे दो जिस समय दर्शक उस गड्डी को मिलाकर मेज पर रखें फिर आप उस गड्डी को उठा ले उसे पिसने के बहाने और जब आप दूसरे आदमी के लिए कुर्सी लेने के लिए मुड़े तो उस समय आपकी पीठ दर्शकों की तरफ होगी उस समय उस गड्डी को अपनी जेब में रख अपनी वाली गड्डी को निकाल कर अपने सीधे हाथ में रख ले और फिर उस गड्डी उस आदमी के हाथ में देकर अपनी आंखों पर पट्टी बांध ले फिर उसी प्रकार आप उन पत्तों को बताने लगें इस प्रकार आपका खेल देखकर सब आश्चर्य करेंगे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

चोर पकड़ने का मन्त्र

जब कोई वस्तु चोरी चली जाए और जिन लोगों पर चोरी करने का सन्देह हो उनके नाम एक कागज पर लिख लें। तत्पश्चात् निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए चमार की सुतारी को उल्टी जूती में गाड़ कर दो उँगलियों पर उठा लें तथा चोर का नाम लेकर मन्त्र पढ़ना आरम्भ करें। जिस समय असली चोर का नाम लेकर मन्त्र उच्चारण किया जायेगा उस समय जूती अपने आप चक्कर काटने लगेगी।

मन्त्र यह है—

'रास्तौ मुजूक्तेर जाय खदाय कस्य दीदम गलक शुद्ध।'

प्रयोग में लाने से पूर्व इस मन्त्र को दस हजार की संख्या में जपकर सिद्ध कर लेना चाहिए। इस मन्त्र के साधक के लिए भी मूत्र त्याग के बाद इस्तंजा करना आवश्यक है।

श्रेष्ठ वशीकरण

घी ग्वार की जड़ लाकर भांग के बीज मिलाकर मस्तक पर तिलक करे तो उत्तम वशीकरण होती है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पक्का उन्नाबी रंग बनाना

वस्त्र को पहले पीली हर्रजल पांच भाग में भिगो दो आक के रंग में रंग दो फिर पन्द्रह भाग पतंग में फिर २ भाग फिटकरी के पानी में रंगो तो पक्का उन्नाबी रंग बन जाता है।

आसमानी रंग बनाना

वस्त्र को ४ माशे कच्चे नील में रंग दो तो आसमानी रंग बन जाता है।

सेवती रंग बनाना

वस्त्र को गहरे नील से रंग कर धो डालो फिर हल्दी से रंग कर नाशपाती के जल में रंगो ओर फिटकरी में ईसबगोल का लुआब दें तो सेवती रंग बन जाता है।

हुलासी रंग बनाना

वस्त्र को पहले नाशपाती के रंग में रंग कर फिर काट के रंग में रंग दें तो हुलासी रंग बन जाता है।

सुरमई रंग बनाना

वस्त्र को पहले गहरे नील में रंग कर कुशनी रंग में रंग खटाई में रंग दें तो सुरमई रंग बन जाता है।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

अबीर रंग का बनाना

वस्त्र को पहले गहरे नील में रंग कर सुखा दें अगर नील कच्चा हो तो अबीर रंग बन जाता है।

वस्त्र को पहले कुसुम में रंग कर हर सिंगार से रंग दें फिर फिटकरी के जल से धो डालो तो सुनहरी रंग बहुत अच्छा बन जाता है।

लालवर्दी का रंग बनाता

२ तो० नींबू के रस में १ तो० तांबे के चूरे को मिलाकर चीनी के पात्र में फिर ताँबे के पात्र में गल जाने पर उसमें वस्त्र रँग कर दही के तोड़ में धो डालें तो वह लालवर्दी रंग बन जाता है।

शराब का नशा दूर करने की क्रिया

मूली और फिटकरी लावे,
जल में घिसकर उसे पिलावे।
धावूराम कहे समझाय,
जानो नशा दूर हो जाय।

डाढ़ के कीड़े का मन्त्र

समुद्र गाम में मीने में पानी सीपी में कीड़ा

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कीड़ा करे पीड़ा हरे। शब्द सांचा पिंड काचा फुरो मन्त्र ईश्वरों वाचा।

विधि

लोहे की कील मन्त्र पढ़कर डाढ़ कीले अथा उसको कुआं में डाल दे तो कीड़ा मर जाए।

डाकनी मूंडने का यन्त्र

ओ३म् नमो लोह सिहायनी लोह लंका [illegible] नस्तर घडा रामवीर ने नस्तर गढ़ाया लक्ष्मण वीर ने सबसे बजिया मुंड तेरी डाकिनी [illegible] जिसने दिया। तुझे जनमा और मुंड तेरा गुरु पीर जिन दिया मास कर मुंड तेरा मात पिता हनुमन्त से आवो जा लंका जारी मारी मुडिका तग्मिहावीर ध्वजा धावती देख्या सिर मुंडिरे छप्पर भैंरों गाँव वापर संग लेहरु मुंडरे हनुमन्त वीर जाका जिया धरे न धरे घर बैठा में गोंडा मुंह गात बन काहे को ढूंडय मन्त्र से मुंडय डाकिनी सिहार हनुमन्त यती आन तुम्हारी।

विधि

उस्तरा गाढ़कर अमावस को १०८ बार मन्त्र पढ़ के अपना मोडा मूंड़ो तो डाकनी का सिर मुंडे।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

प्रेत निवारण मन्त्र

ओं नमो आठ खाट की लाकड़ी मुजवनी का मुवामुरादा नहीं तो महावीर की आन ।

विधि

कादस चमेली के फूल लोबान छान छबीला लौंग कपूर बचरी आदि लेकर मसान में जाय तो मसान उठे और शब्द गिरे ।

गर्भ धारण मन्त्र

ओं ही उजला जल्य ठ ही

विधि

ऋतु काल में हिरन की खाल पर पुरुष तथा स्त्री दोनों बैठे पुरुष स्त्री के कान में १०८ बार यह मन्त्र कहे तो गर्भ रहे

आधा शीशी का मन्त्र

ओ३म नमो बन में बसी बाँदरी उछल पेड़ पर कूद कूद शाखन पर फल खाय । आधा फोड़े तोड़े आधा शीशी जाय ।

विधि

जमीन पर हाल पाई खींचे तथा सात आड़ी रेखायें

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

काटता चले इस तरह कई बार करे तो आधा शीशी जावे। (साथ मन्त्र पढ़ता जावे)।

दूसरा मन्त्र

ओं नमो आदेश गुरु को काली चिड़ी चिग चिग करे बोली आओ वासे हारे सजी हनुमान हाक मारे आधा शीशी हरे गुरु शक्ति मेरी प्रजा फूरो मन्त्र सांचा ईश्वरो वाचा।

विधि

इस मन्त्र को सात बार पढ़कर झांकने से आधा शीशी चली जावे।

सुई काढने का मन्त्र

ओ३म नमो पढ़कर चूना लोहार सार गडे लोहार लोहे का मोड़ २ के किया पानी लोहा चार भस्म कर हानी रायबीर जो आया मानी लक्ष्मन वीर मुद घाव पाक फूटे बीरडा करे तो रामचन्द्र ही रक्षा करे शब्द सांचा पिंड कांचा फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा।

विधि

भभूत की चुटकी भर कर उस जगह हाथ फेरे जहां सुई गढ़ी हो तथा मन्त्र पढ़ता रहे तो सुई खुद निकल आयेगी।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

नजर दूर करने का मन्त्र

ओ३म नमो सत्यनाम आदेश गुरु को डाम नजर जहां पर पीर न जानी । बोले छलसे अमृत बानी, नजर कहां से आई । कहां के ठेरे की मवताई । कौन जाति तेरे कहां धाम किसकी बेटी कहा नाम कहां से उड़ी कहां जाए अब वास कर ले तेरी माय । मेरी बात सुनो चितलाय जैसी होय सुनाऊं आय । तेलिन तमोलिन चमारी कायस्थानी खतरानी कुम्हारी महतरानी राजा की रानी । जा को दोष वाही के सिर पड़े, पार नजर सो रक्षा करे मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुरो मन्त्र ईश्वरो वाचा ।

विधि

भोर समय में बालक के सिर से पैर तक झाड़ दे और मन्त्र पढ़ता जावे ।

पशु रोग नाशक मन्त्र

ओ३म नमो थेली देहली बांधी तहलीय राम सारा साट पशु की नाको जाय ।

विधि

गो लड़क में खड़े होकर चारों तरफ की बाट

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

सांट दो मन्त्र पढ़ते आओ तो रोग चला जाय तथा पशु भी ठीक हो जावे ।

पशुओं के काड़े झारना

ओ३म नमो कीड़ा रैकुंडू कु डाली लाल पूछ तेरा मुंह काला । मैं तोहि पूछा कहाँ से आया तूने सब सांस खाया । अब तू जाय भस्म हो जाय । गुरु गोरखनाथ करे सहाये ।

विधि

नीम की डाली से मन्त्र पढ़ते हुए सात बार झाड़े सब कीड़े मर जायें ।

मन्त्र डाढ़ दर्द

ओ३म नमो कामरू देश कामनी देवी जहां बसे इस्मायल योगी । इस्मायल योगी ने पाली गाय, नित उठ चरने वन में जाय, चरे सुखे घास खाय जिसने गोबर किया जा में उपजा मुताला पूंछ पूछाला धड़ है पीला मुंह है काला, दाँत मसूढ़ा पीड़ा करे तो गुरु गोरखनाथ की दुहाई ।

विधि

इस मन्त्र को पढ़कर लोहे की कील पर पढ़कर

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

काठ में ठोक दे तो मसूड़े की पीड़ा दूर हो।

गर्भ रक्षा का मन्त्र

ओ३म रुद्रा भी द्रव ह्रीं हा हा ह ओ की।

विधि

इतवार की रात को गूगल की धूनी देकर गर्भवती के पास १२१ बार जपे तो उस स्त्री को किसी प्रकार की बाधा न होगी।

शिशु रोदन मन्त्र

ओम नमो वहबाय रफे रस्टहि।

विधि

स्नान करके पवित्र स्थान में ११ सींक से मन्त्र बोलते हुए झाड़ा देवे तो रोता हुआ शिशु भी चुप होवे।

टोने का मन्त्र

ओ३म कल कपाट बजर प्रहार लंक अलक पलक फलक फलांग-यति वाचा सत्य।

विधि

कपड़े की रोशनी में इस मन्त्र को बच्चे के पास २१ बार पढ़े तथा गूगल आदि की धूप दे तो टोना

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

दूर हो जाय ।

मसान जगाने का मन्त्र

ओ३म नमो कलील कर्पादिनी कुटभरी आडम्बरी रंकार वकारथः ।

विधि

रविवार को नीम की टहनी से झाड़े तो प्रेत की बाधा दूर हो ।

टिड्डी दूर करने का मन्त्र

ओ३म अमीर गंगल का तीर उल्टा आया सीधा जाय अनेक ।

विधि

इसको कागज पर लिखकर जहाँ टिड्डी हो वहाँ पर आग लगा दे तो टिड्डी भाग जाय ।

सिंह बांधने का मन्त्र

ओ३म नमो हकाल बकाल अखि खिल २ खेल बधिया जाहत २ ।

विधि

इसको २१ बार इमली के फूल पर पढ़कर सिंह के ऊपर फेंक दो तो सिंह बंधे ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

पशु का दूध बढ़े

ओ३म जल हल थाला इहामी उहाल व ।

विधि

इस मन्त्र को पढ़कर अबली की लकड़ी आग में गूगल थरकन सेके तो दूध बढ़ जाय ।

नेत्र बांध निवारण मन्त्र

ओ३म अगाली गगाली अताल पताल गर्द मर्ष कार फट २ उत्कट हुंटः ।

विधि

इतवार को नीम की पत्ती से झाड़ा दे तथा २१ बार मन्त्र जपे तो आँख की बाधा दूर हो ।

कर्ण बाधा निवारण मन्त्र

ऊँ कनक पहार बाँबर धार प्रवेश कर डार डार पात पात पर झार झार मार हुंकार शब्द सांचा ।

विधि

सांप की लांघी रज से २१ बार इस मन्त्रको पढ़ कर झाड़ा देवे, रज कान के लगावे तो सब प्रकार का रोग जावे ।

कंठ कष्ट मन्त्र

ओं नमो नार सिहार आदेश गुरु का घाई कराई काच लता करता बज्र वेदन ओ३म उः उः ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

विधि

उत्तर दिशा में बैठकर कुशां के साथ की घास को इस मन्त्र को पढ़कर रोगी को देने से कण्ठ बाधा दूर हो जायेगी।

मस्तक पीड़ा मन्त्र

सहस्त्र घर वाले एक खाय आगे चले तो पीछे मन्त्र साँचा फुरो वाचा।

विधि

इसको पढ़ते हुए मस्तक पर फूंक मारे तो मस्तक पीड़ा जाय।

नक्सीर निवारण मन्त्र

ओ३म मारती लारती दसों दिशा धावया पर्पत खण्ड करता मन्त्र साँचा फुरो वाचा।

विधि

इस मन्त्र को पढ़कर पानी में फूंक मारे तथा उस पानी को नाक से सुरक ले तो नक्सीर बन्द हो।

ज्वर निवारण मन्त्र

ओ३म भैरव भूत नाथे विकराल काये अग्निवर्ष धाये सर्व ज्वर बन्ध मोचय त्र्यस्व केतु हूं।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

विधि

चमेली के हरे पत्ते पर मन्त्र को पढ़कर दाहिनी भुजा में बांधे तो ज्वर जाए ।

भूत प्रेत बोलने का मन्त्र

ओ३म घों घों ध्यान करता अलख यति हांक देत हाँ कारतबा लत बोल २ शब्द साँचा ।

विधि

लहसुन के रस में होंग मिलाकर जिसको भूत प्रेत लगा हो उसकी आंख में लगाए वह बोले ।

बवासीर का मन्त्र

ॐ छुई छलक कलाई आहुम आहुम कां कां की हूँ ।

विधि

इस मन्त्र से पानी फूंक कर इतवार और मंगल को आबदस्त ले तो बवासीर जाए ।

विदेशी बुलाने का मन्त्र

ओं ग्वालां ग्लीं ग्लुओं श्री हा हा हः

विधि

पीपल के नीचे मृग चर्मासन पर बैठ कर रुद्रवन्ती और श्रीफल की खीर बनाकर मन्त्र पढ़े, आहुति दे तो विदेशी शीघ्र घर आए ।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

❀ मरी हुई चिड़िया को जिलाना ❀

इस खेल में एक पिस्तौल और थोड़ा सा पारा चाहिए।

❀ तरकीब ❀

पहले एक चिड़िया लाकर उसका डैना बांध दो और सबको उसे देखने दो जब सब लोग देख लें वह जीता है तब वह उसे टेबिल पर रखें अब पिस्तौल में बारूद भरकर ऊपर से पारा या पारे की गोली भर दो। उसके बाद खेल शुरू करो। अब उसके सामने उस पक्षी पर फायर करें तो वह पिस्तौल की आवाज से ही मूर्छित हो जाएगी तब तुम सबको दिखा दो कि मरी चिड़िया जी उठी है अगर वह जल्दी होश में न आवे तो उसके सिर आँख बांह पर पानी देना और पानी डालते वक्त कुछ झूठ-मूठ मन्त्र पढ़ना व जादू की छड़ी उसके ऊपर घुमाना चाहिए।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

जब-२ पारे की गोली भरना तब-२ पारों के बार-बार तूतिया लेकर खरल में रगड़ देने से ही कीचड़ की तरह हो जाएगी।

किसी एक देखने वाले से एक रूमाल मांग लो और दूसरे एक देखने वाले के हाथ में रूमाल रखके कहो कि महाशय ! आपने यह क्या किया एक भले आदमी के रूमाल को फाड़ दिया। अब किस तरह से इस रुमाल दे सकूँगा। यह कहकर रुमाल ले लो और अपने टैबिल से सुई धागा लेकर कहो कि महाशय अब इस रुमाल की सिलाई करके नया कर दो। यह कह किसी देखने वाले से कहो कि महाशय आप रुमाल को सी दीजिए। यह कहकर देखने वाले के हाथ में दे दो, दर्शकों को रुमाल फटा दिखाई देगा तब तुम कहो कि महाशय, अब हम इस रुमाल को उसके मालिक को किस तरह दे सकेंगे परन्तु इस रुमाल में थोड़ी सी सुगन्ध लगा सकते हैं यह

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कहकर रुमाल को चीनी की रकाबी में रख दो और ऐसेंस की सुगन्धित लगाने के बहाने स्पिरिट आफ वाइन कुछ रुमाल में डाल दो और जलती बत्ती को उलटकर रकाबी में फेंक दो दर्शक को मालूम हो जाए कि तुम्हारी असावधानी से रुमाल में आग लग गई बत्ती रुमाल पर गिरते ही वह जलने लगेगा और तुम घबरा कर रुमाल की आग बुझाने लगोगे और इसी अवसर में तुम्हारा साथी एक दूसरी रकाबी उस रकाबी के ऊपर ढक दे जिससे रकाबी की आग बुझ जाय तब तुम अपनी मन्त्र की छूरी को रकाबी में धोकर कहो कथा-न्याध्याय, यह कहकर रकाबी को प्रथम रकाबी से उठा लो और प्रथम रकाबी से उठा लो और प्रथम को दर्शक के सामने ले आवो जब दर्शक देखेंगे कि रुमाल रकाबी में चौतह रखी है तब लोग अचम्भा करेंगे यह खेल नीचे लिखे अनुसार करना चाहिए।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

ऊपर लिखे खेल करने में केवल चालाकी की आवश्यकता है। अब किसी एक देखने वाले से रुमाल मांग लो और अपने मेज की तरफ जाते हुए एक फटे रुमाल को दर्शक के रुमाल से बदल दो और किसी दूसरे दर्शक के हाथ में देकर कहो कि महाशय आपने यह क्या किया एक सज्जन का रुमाल फाड़ दिया अथवा आप रुमाल की बत्ती बना दो और एक चीनी की रकाबी में रखकर सुगन्धित लगाने के बहाने स्प्रिट डालकर एक बत्ती उस पर गिरने दो जिसमें वह सब टुकड़े जल जाय जलने के बाद आग बुझाने के बहाने उसके ऊपर एक दूसरी रकाबी रख दो, और आग बुझाने के बाद रकाबी उठा लो, तब दर्शक का रुमाल तह किया मिलेगा। जो रकाबी आग बुझाने के लिए रकाबी के ऊपर रखी जाती है एक रकाबी नहीं है दो रकाबी है इस

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh

कारण तुम्हारे संगी रुमाल को लेकर तह करके उसमें थोड़ी सी सुगन्ध लगाकर एक रकाबी में रखकर ऊपर से एक दूसरी रकाबी उसके ऊपर रख दे। रकाबी ऐसा मिल जाय उसमें एक रकाबी मालूम न पड़े। अक्सर ऐसी बहुत सी रकाबियाँ मिलती हैं। अब आग बुझाने के लिए रख दें और उठाते समय एक रकाबी उठा ले इसके नीचे वाला रकाबी में रूमाल वाली रकाबी रह गई और दर्शको को मालूम हुआ कि पहली रकाबी रूमाल में आ गई। कोई २ खेल करने वाले नीचे लिखी रीति से खेल करते हैं जब कि रुमाल जलने लगता है तब रकाबी को टेबिल से उठा कर टेबिल को भीर कोठली में रख देते हैं और हाथ से आग बुझा देते हैं, इसी अवसर में रुमाल को उठा देते हैं।

Agamnigam Digital Preservation Foundation, Chandigarh